संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -345 बुधवार,18 अक्टूबर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

समलैंगिक शादी को मान्यता नहीं:संविधान पीठ

» कानून में बदलाव का फ़ैसला संसद करेगी

नई दिल्ली ,17 अक्टूबर 2023(ए)। प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि समलैंगिकता प्राकृतिक होती है जो सदियों से जानी जाती है, यह केवल शहरी अवधारणा नहीं है या समाज के उच्च वर्ग तक ही सीमित नहीं है.समलैंगिक विवाह को मान्यता देने के मामले में आज सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने एकमत से एक ऐतिहासिक `ैसला सुनाया है. 5 जजों की पीठ ने समलैंगिक शादी को मान्यता नहीं दी. 5 जजों की संविधान पीठ ने बहुमत से कहा कि कानून बनाना संसद का काम है. विवाह का अधिकार स्वचालित रूप से प्रवाहित नहीं होता. विवाह का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं है. इसके साथ ही समलैंगिकों को बच्चा गोद लेने का अधिकार भी नहीं दिया गया. इस पर 3-2 से `ैसला हुआ. साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समलैंगिकों के अधिकारों की पहचान के लिए कमेटी बने और उन्हें कुछ कानूनी अधिकार और सामाजिक सुरक्षा का लाभ दें

समलैंगिक बच्चा गोद नहीं ले सकते

बच्चा गोद लेने के मामले में संविधान पीठ ने 3-2 से फैसला सुनाया. ÷बच्चा गोद नहीं ले सकते÷ के समर्थन में जस्टिस एस रवींद्र भट्ट, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस पीएस नरसिम्हा थे. वहीं गोद ले सकते हैं के पक्ष में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस संजय किशन कौल थे. फैसले के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने सीएआरए और गोद लेने पर कहा कि अविवाहित जोड़ों को गोद लेने से बाहर नहीं रखा गया है, लेकिन नियम 5 यह कहकर उन्हें रोकता है कि जोड़े को 2 साल तक स्थिर वैवाहिक रिश्ते में रहना होगा. जेजे अधिनियम अविवाहित जोड़ों को गोद लेने से नहीं रोकता है, लेकिन केवल तभी जब छ्व्र इसे नियंत्रित करता है, लेकिन यह जेजे अधिनियम के उद्देश्य को विफल नहीं कर सकता है. सीएआरए ने विनियम 5(3) द्वारा प्राधिकार को पार कर लिया है. यह साबित करने के लिए रिकॉर्ड पर कोई सामग्री नहीं है कि केवल एक विवाहित विषमलैंगिक जोड़ा ही एक बच्चे को स्थिरता प्रदान कर सकता है. इस टिप्पणी के बावजूद 3-2 से फैसला आया कि समलैंगिक लोग बच्चे को गोद नहीं ले सकते.

पांच जजों की संविधान पीठ से सुनाया है फैसला

समलैंगिकों के लिए गठित होने वाली समिति को ये काम करना होगा
सुप्रीम कोर्ट ने भारत में समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर किया है लेकिन पीठ ने विवाह के रूप में उनके रिश्ते की कानूनी मान्यता के बिना, समलैंगिक यूनियन में व्यक्तियों के अधिकारों की जांच करने के लिए एक समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं. कोर्ट ने कहा कि समलैंगिक समुदाय को दिए जा सकने वाले अधिकारों, लाभों की पहचान करने के लिए कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाला पैनल बने. कुछ कानूनी अधिकार, सामाजिक कल्याण उपाय, सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करें. ये समिति राशन कार्डों में समलैंगिक जोड़ों को परिवार के रूप में शामिल करना. समलैंगिक जोड़ों को संयुक्त बैंक खाते के लिए नामांकन करने में सक्षम बनाना, पेंशन, ग्रेच्युटी आदि से मिलने वाले अधिकारों पर काम करे.

सुप्रीम कोर्ट ने दिया ट्रांसजेंडर का उदाहरण

समलैंगिक शादी को मान्यता देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि अगर कोई ट्रांसजेंडर व्यक्ति किसी विषमलैंगिक व्यक्ति से शादी करना चाहता है, तो ऐसी शादी को मान्यता दी जाएगी, क्योंकि एक पुरुष होगा और दूसरा महिला होगी. अगर अनुमति नहीं दी गई, तो यह ट्रांसजेंडर अधिनियम का उल्लंघन होगा.
समलैंगिक केवल शहरों और उच्च वर्ग तक की सीमित नहीं हैं. ये कोई अंग्रेजी बोलने वाले सफेदपोश आदमी नहीं हैं, जो समलैंगिक होने का दावा कर सकते हैं, बल्कि गांव में खेती का काम करने वाली एक महिला भी समलैंगिक होने का दावा कर सकती है

विशेष विवाह अधिनियम को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कही बड़ी बात

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते समय कहा कि क्या एसएमए में बदलाव की जरूरत है, यह संसद को पता लगाना है और अदालत को विधायी क्षेत्र में प्रवेश करने में सावधानी बरतनी चाहिए? कई वर्ग इन परिवर्तनों के विरोध में हैं. विशेष विवाह अधिनियम में बदलाव का फ़ैसला संसद को करना है.

सीजेआई ने आगे कहा कि यदि विशेष विवाह अधिनियम को रद्द कर दिया जाता है तो यह देश को स्वतंत्रता-पूर्व युग में ले जाएगा. संसद या राज्य विधानसभाओं को विवाह की नई संस्था बनाने के लिए बाध्य नहीं कर सकते. क्या विशेष विवाह अधिनियम में बदलाव की जरूरत है, यह संसद को पता लगाना है और अदालत को विधायी क्षेत्र में प्रवेश करने में सावधानी बरतनी चाहिए.

आरबीईटी मनी लॉन्ड्रिंग मामला

» ईडी ने जम्मू, कठुआ और पठानकोट में आठ स्थानों पर ली तलाशी

नई दिल्ली ,17 अक्टूबर 2023 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय आरबी एजुकेशनल ट्रस्ट (आरबीईटी) के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम मामले में जम्मू, कठुआ और पठानकोट में फैले आठ परिसरों में तलाशी ले रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यहां यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, छापेमारी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच किए जा रहे एक मामले पर आधारित है।
सीबीआई ने इस संबंध में 28 अक्टूबर, 2021 को एक आरोप पत्र दायर किया, इसमें आरपीसी की धारा 120-बी और जम्मू-कश्मीर सार्वजनिक भ्रष्टाचार की धारा 5(2) के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 5(1)(डी) के तहत किए गए अपराध स्थापित किए गए। 2011 में आरबीईटी के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत कांता अंडोत्रा और पटवार हलका करांडी खुर्द और मुथी हरदो के पटवारी रविंदर सिंह के खिलाफ आरोप दायर किए गए थे। आपराधिक मिलीभगत से, पटवारी ने कथित तौर पर 4 से 07 जनवरी, 2011 के बीच 329 कनाल से अधिक भूमि के लिए तीन फ़र्द जारी किए, इसमें जम्मू और कश्मीर कृषि सुधार अधिनियम 1976.की धारा 14 के तहत लगाई गई 100 मानक कनाल की सीमा के उल्लंघन के संबंध में विवरण का उल्लेख किए बिना था। इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप ट्रस्ट को अनुचित आर्थिक लाभ हुआ।
सूत्रों ने कहा, इन तीन फर्दों के आधार पर, ट्रस्ट ने 5 जनवरी, 2011 और 7 जनवरी, 2011 को निष्पादित तीन उपहार कार्यों के माध्यम से लगभग 329 कनाल भूमि के कई टुकड़े हासिल किए। इस मामले में शामिल मुख्य व्यक्तियों में चौधरी लाल सिंह, पूर्व संसद सदस्य (एमपी) और चौधरी की पत्नी पूर्व विधानसभा सदस्य (एमएलए), कांता अंडोत्रा, पूर्व विधायक और ट्रस्ट के अध्यक्ष और तत्कालीन पटवारी शामिल थे।ईडी की जांच के दौरान, यह पता चला कि अतिरिक्त भूमि का उपयोग ट्रस्ट द्वारा डीपीएस स्कूलों और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों को चलाने के लिए सक्रिय रूप से किया जा रहा है।
सूत्रों ने कहा, आज की खोज में शामिल स्थानों में ट्रस्ट, अध्यक्ष, भूमि दाताओं, भूमि दाताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) धारकों, कार्यों को निष्पादित करने वाले गवाहों और पूर्व पटवारी से संबंधित स्थान शामिल हैं, जिन्होंने गलत तरीके से फर्द जारी किया।

चार वीरता पदक एक में विलय हुआ

नई दिल्ली,17 अक्टूबर 2023 (ए)। केंद्र ने तत्काल प्रभाव से चार मौजूदा राष्ट्रपति वीरता पदक को एक पदक में विलय कर दिया है। अब ये 'वीरता के लिए राष्ट्रपति पदक' नाम से जाना जाएगा। बता दें कि ये चार पदक पुलिस, अग्निशमन सेवा, होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा और सुधार सेवा के लिए दिया जाता है।राष्ट्रपति वीरता पदक के बारे में
राष्ट्रपतिका वीरता के लिए पुलिस पदक (पीपीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी); जीवन और संपत्ति को बचाने या अपराध को रोकने या अपराधियों को गिरफ्तार करने में विशिष्ट वीरता के प्रदर्शन के आधार पर प्रदान किया जाता है। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएम) पुलिस सेवा में उत्कृष्ट रिकॉर्ड के लिए प्रदान किया जाता है तथा सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक (पीएम) संसाधन और कर्तव्य के प्रति समर्पण आधारित मूल्यवान सेवा के लिए प्रदान किया जाता है। प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर अग्निशमन सेवाओं, नागरिक सुरक्षा तथा होम गार्डस कर्मियों को वीरता के लिए राष्ट्रपति पदक एवं विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक के साथ-साथ वीरता पदक और मेधावी सेवा पदक प्रदान किए जाते हैं।

वहीदा रहमान दादा साहेब फाल्के से नवाजी गईं

» अल्लू अर्जुन बेस्ट एक्टर, रॉकेट्री बेस्ट फिल्म,कृति-आलिया को भी बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड

नई दिल्ली ,17 अक्टूबर 2023(ए)।
नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वहीदा रहमान को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार सम्मान प्रदान किया। इसी तरह दिल्ली में 69वीं नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स सेरेमनी में अल्लू अर्जुन को बेस्ट एक्टर, कृति-आलिया को बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड से नवाज़ा गया है।
वेटरन एक्ट्रेस वहीदा रहमान को फिल्मों में उनके योगदान के लिए दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। फिल्म पुष्पा के लिए अल्लू अर्जुन को बेस्ट एक्टर, गंगूबाई काठियावाड़ी के लिए आलिया भट्ट और मिमी के लिए कृति सेनन को संयुक्त रूप से बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड दिया गया है।

रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट को बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड दिया गया है। पुरस्कारों की घोषणा इसी साल अगस्त में हुई थी। आलिया भट्ट जब पुरस्कार लेने स्टेज पर पहुंचीं तो रणबीर कपूर इस खास मौके को अपने फोन में कैप्चर कर रहे थे। आलिया भट्ट पति रणबीर कपूर के साथ सेरेमनी में पहुंचीं।
समारोह में कृति सेनन और अल्लू अर्जुन साथ बैठे थे। बता दें नेशनल फिल्म अवॉर्ड के विजेताओं को दो कैटेगरी में रखा जाता है। दो कैटेगरी हैं- पहला स्वर्ण कमल और दूसरा रजत कमल।
स्वर्ण कमल विजेता को ज्यादा प्राइज मनी मिलती है, जबकि रजत कमल विजेता को कम राशि है। दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से सम्मानित विजेता को प्राइज मनी के साथ-साथ प्रशस्ति पत्र और शॉल भी दिया जाता है

भारत की समुद्री क्षमताएं मजबूत होने से पूरी दुनिया को हुआ फायदा

नई दिल्ली ,17 अक्टूबर 2023(ए)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज मंगलवार को 'ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया शिखर सम्मेलन' का उद्घाटन किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि निवेशकों के पास देश के साथ साझेदारी करने और भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईईसी) का हिस्सा बनने का अवसर है। साथ ही कहा कि भारत ने गलियारे पर आम सहमति बनाने के लिए जी-20 शिखर सम्मेलन में जोर दिया। मोदी ने कहा कि बहुत कम देशों को विकास, जनसांख्यिकी, लोकतंत्र और मांग का सौभाग्य मिला हुआ है। साथ ही उन्होंने वैश्विक निवेशकों को भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इतिहास में जब भी भारत की समुद्री क्षमताएं मजबूत हुई हैं तो इससे देश तथा दुनिया को फायदा हुआ है। उनकी सरकार पिछले 9-10 वर्षों में समुद्री क्षेत्र को मजबूत करने के लिए काम कर रही है। शिखर सम्मेलन के तीसरे संस्करण में मोदी ने 18,800 करोड़ रुपये से अधिक की बंदरगाह से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

सुप्रीमकोर्ट ने लालू की जमानत रद्द करने की मांग वाली सीबीआई की याचिका पर सुनवाई टाली

नई दिल्ली ,17 अक्टूबर 2023(ए)।
सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को करोड़ों रुपये के चारा घोटाले के सिलसिले में राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को दी गई जमानत रद्द करने की मांग करने वाली सीबीआई की याचिका पर सुनवाई टाल दी है।
न्यायमूर्ति एएस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति एमएम. सुंदरेश की पीठ ने याचिका पर जनवरी 2024 के अंतिम सप्ताह में किसी गैर-विविध दिन पर सुनवाई करने का फैसला किया है।
सीबीआई की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी. राजू ने आग्रह किया कि मामले में शामिल कानून के सवाल पर शीर्ष अदालत द्वारा फैसला जरूरी है।सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर विशेष अनुमति याचिका में, सीबीआई ने तर्क दिया है कि राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख को कानून की गलत धारणा पर झारखंड हाईकोर्ट ने जमानत दी थी।लालू प्रसाद का बचाव करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए सीबीआई राजद नेता को वापस जेल में डालना चाहती है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने में देरी के लिए सीबीआई पर सवाल उठाए। इस साल अगस्त में, सीबीआई द्वारा लालू प्रसाद की जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका पर शीघ्र सुनवाई की मांग के बाद, भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया था।

विशेष रूप से सोमवार और शुक्रवार के अलावा अन्य दिनों को सुप्रीम कोर्ट में गैर-विविध दिनों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जब विभिन्न पीठों द्वारा नियमित सुनवाई की जाती है।
बता दें कि बीते वर्ष अप्रैल में झारखंड हाईकोर्ट ने डोरंडा कोषागार से 139.5 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से निकासी से संबंधित पांचवें चारा घोटाले के मामले में लालू प्रसाद को जमानत दे दी थी।

राघव चड्डा बंगला विवाद

» दिल्ली एचसी ने आप सांसद को बेदखल करने का आदेश किया रद्द

नई दिल्ली ,17 अक्टूबर 2023(ए)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पटियाला हाउस अदालत के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसने राज्यसभा सचिवालय को आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा को राष्ट्रीय राजधानी में उनके आधिकारिक आवास से बेदखल करने का मार्ग प्रशस्त किया था। सांसद (सांसद) राघव चड्ढा ने मंगलवार को आप सांसद को उनके आधिकारिक आवास से बेदखल करने के अदालत के आदेश को रद्द करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया और कहा कि उनके आधिकारिक आवास को रद्द करने का निर्णय मनमाना, अनुचित और अन्यायपूर्ण था। .

राघव चड्ढा आवास विवाद पर यह कार्रवाई आप सांसद द्वारा अंतरिम आदेश को रद्द करने के निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय में जाने के एक सप्ताह बाद हुई, जिसने मंजूरी दे दी और राज्यसभा सचिवालय के लिए उन्हें बाहर निकालने का मार्ग प्रशस्त कर दिया। उन्हें सरकारी बंगला आवंटित किया गया.
दिल्ली एचसी द्वारा पटियाला हाउस कोर्ट के आदेश को रद्द करने के बाद, राघव चड्ढा ने कहा, ÷यह एक घर या दुकान की लड़ाई नहीं है, यह संविधान को बचाने की लड़ाई है। अंत में, सत्य और न्याय की जीत हुई है। मैं स्वागत करता हूं।÷ ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद्द करने का दिल्ली उच्च न्यायालय का निर्णय, जो मेरे खिलाफ था।

20 साल बाद जिंदा हुआ मरा आदमी

उसको सामने देख दिल्ली पुलिस भी हैरान

नई दिल्ली ,17 अक्टूबर 2023(ए)।
2004 में ही खुद को मरा घोषित कर चुके नौ सेना के कर्मचारी को दिल्ली पुलिस ने 20 साल बाद गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किया गया आरोपी हत्या और चोरी के मामले में वांछित है। आरोपी के खिलाफ बवाना और तिलक मार्ग थाने में हत्या और चोरी का मामला दर्ज है।

दिल्ली के नजफगढ़ में रहता आरोपी

गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम बालेश कुमार (63) है। वह दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में रह रहा था। जांच में खुलासा हुआ कि एक मई 2004 को आरोपी ने खुद को जोधपुर (राजस्थान) में ट्रक में आग लगा दी थी, जिसमें दो लोगों की मौत गई, जिनमें से एक की पहचान बालेश कुमार के रूप में हुई।

खुशीराम की बालेश कुमार ने की थी हत्या

जांच से पता चला कि शराब के नशे में कुछ छोटी-मोटी बातों पर आरोपी बालेश कुमार ने अपने भाई सुंदर लाल के साथ मिलकर समयपुर बादली ट्रांसपोर्ट नगर में राजेश उर्फ खुशीराम नामक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। इसके बाद शव को दिल्ली के पीएस बवाना इलाके में फेंक दिया।

पत्नी के साथ विवाहेतर संबंध को लेकर हुई बहस

हत्या की घटना वाले दिन आरोपी बालेश कुमार अपने भाई सुंदर लाल और पीड़ित मृतक राजेश उर्फ खुशीराम के साथ शराब पी रहा था। शराब पीने के दौरान, मृतक राजेश की पत्नी के साथ बालेश कुमार के विवाहेतर संबंध और उनके बीच कुछ पैसों के लेन-देन के मुद्दे पर उनके बीच तीखी बहस हुई।

आरोपी बालेश ने बनाई अपनी नई पहचान

पुलिस ने हत्या के मामले में उसके भाई सुंदर लाल को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि साजिश को आगे बढ़ाते हुए अभियुक्त बालेश कुमार की मृत्यु के संबंध में मृत्यु प्रमाणपत्र दाखिल किया गया। जोधपुर के अग्निकांड में खुद को मृत घोषित करने के बाद आरोपी बालेश ने अपनी नई पहचान अमन सिंह के रूप में बनाई।
उसने अपनी फर्जी पहचान यानी अमन एस के नाम पर विभिन्न अधिकारियों से आधार कार्ड, पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे पहचान दस्तावेज तैयार करवा लिए।

ढीली पड़ती जा रही है इंडिया गठबंधन की गांठे

एमपी के कई सीटों पर कांग्रेस और सपा आमने सामने

लखनऊ,17 अक्टूबर 2023(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए प्रमुख राजनीतिक पार्टियों के बीच बनी इंडिया गठबंधन की गांठे अब ढीली पड़ती जा रही है। विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और सपा में कोई समझौता नहीं हो पाया है। इसलिए दोनों दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ उम्मीदवारों को मैदान में उतार दिया है।यहां तक कि जिस सीट पर सपा अपना प्रत्याशी उतारने की तैयारी में थी, उस पर कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार उतार दिया है। इसके बाद सपा ने नौ सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। सपा कुछ और सीटों पर अपने प्रत्याशियों को लड़ाने की तैयारी में है। राजनीतिक जानकर बताते हैं कि

इंडिया गठबंधन बनने के बाद समाजवादी पार्टी अभी पांच राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में अपने आधार का आकलन करना चाहती है। उसी हिसाब से आगे बढ़ रही है। वह मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में अपनी पार्टी के उम्मीदवार उतारना चाह रही है। लेकिन कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर कोई बात नहीं बन सकी है। इसलिए यहां अब दोनों दल अपने अपने हिसाब से मैदान में हैं। कई सीटों पर कांग्रेस और सपा आमने सामने आ गए हैं।

संपादकीय

विपक्षी उम्मीदवारों की पहली सूची तैयार

समाजवादी पार्टी ने अगले लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन के संभावित उम्मीदवारों की पहली सूची तैयार कर ली है। इसमें परिवार की पारंपरिक चार या पांच सीटें हैं। इन सीटों के अलावा सात या आठ सीटों पर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के उम्मीदवारों की घोषणा अगले कुछ दिन में हो सकती है। इसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सीटें भी हैं, जहां जयंत चौधरी की राष्ट्रीय लोकदल विपक्ष के गठबंधन में है और पूर्वी उत्तर प्रदेश की सीटें भी हैं, जहां कृष्णा पटेल की अपना दल कमेरावादी भी 'इंडिया' का हिस्सा है। परिवार की पारंपरिक सीटों- आजमगढ़, कन्नौज, मैनपुरी, बदायूं और फिरोजाबाद के अलावा जिन सीटों पर सपा के उम्मीदवार तय हो जाने की बात कही जा रही है उनमें लखनऊ की सीट भी है। इस सीट से भाजपा के दिग्गज राजनाथ सिंह सांसद हैं। पिछली बार समाजवादी पार्टी ने शत्रुघ्न सिन्हा की पत्नी पूनम सिन्हा को लड़ाया था और कांग्रेस से आचार्य प्रमोद कृष्णम लड़े थे। दोनों का साझा वोट 42 फीसदी था, जबकि राजनाथ सिंह को 57 फीसदी के करीब वोट मिले थे।

बहरहाल, कहा जा रहा है कि इस बार लखनऊ लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी अपने पुराने नेता रविदास मेहरोत्रा को लड़ा सकती है। वे लखनऊ मध्य सीट से विधायक हैं। समाजवादी पार्टी की सरकार में 2012-17 तक वे मंत्री भी रहे थे। जानकार सूत्रों के मुताबिक समाजवादी पार्टी के अलावा सहयोगी पार्टियों के नेताओं के नाम भी कुछ सीटों पर तय कर दिए गए हैं। पुराने जाट नेता हरेंद्र मलिक को मुजफ्फरनगर सीट से टिकट देने की घोषणा हो सकती है। राष्ट्रीय लोकदल की पारंपरिक सीट बागपत से जयंत चौधरी की पत्नी चारू चौधरी के नाम की घोषणा हो सकती है। बताया जा रहा है कि विपक्षी गठबंधन के नेता इस बार वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कृष्णा पटेल या उनकी बेटी पल्लवी पटेल को चुनाव लड़ाने पर विचार कर रहा है। पल्लवी पटेल ने पिछले विधानसभा चुनाव में केशव प्रसाद मौर्य को हराया था। पल्लवी की बहन और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल उस सीट पर प्रचार के लिए नहीं गई थीं। सपा, रालोद और अपना दल के संस्थापक नेताओं के परिवारों की पारंपरिक सीटों के अलावा प्रतापगढ़, अयोध्या, बस्ती और मोहनलालगंज के उम्मीदवारों की घोषणा हो सकती है। अमेठी और रायबरेली में कांग्रेस को तय करना है कि वहां से कौन लड़ेगा। कुल मिला कर एक दर्जन उम्मीदवारों की घोषणा बहुत जल्दी हो सकती है।

उम्मीदवार तय करने का अनोखा तरीका

भारतीय जनता पार्टी ने इस बार अभी तक डेढ़ दर्जन सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारा है। राजस्थान में सात सांसदों को टिकट दी गई है तो मध्य प्रदेश में भी सात सांसद चुनाव मैदान में उतारे गए हैं। छत्तीसगढ़ में पार्टी ने चार सांसदों को टिकट दी है। राजस्थान, मध्य प्रदेश में अभी और सांसदों को टिकट मिलेगी और तेलंगाना में भी पार्टी अपने चार में से कुछ सांसदों को चुनाव में उतार सकती है। पार्टी केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा के चुनाव लड़ा रही है।

किसी को अंदाजा नहीं है कि सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा चुनाव लड़ाने के पीछे की रणनीति क्या है? यह फैसला किस आधार पर हुआ? आमतौर पर राज्यों में उम्मीदवारों के नाम पर शुरुआती विचार होता है। राज्य की चुनाव समिति हर सीट के लिए संभावित उम्मीदवारों की सूची देख कर उसमें से छंटनी करती है और दो या तीन नाम हर सीट पर तय करके दिल्ली आती है, जहां केंद्रीय चुनाव समिति में उसमें से किसी एक नाम पर फैसला होता है। कुछ सीटों पर यदि सिंगल नाम हैं तो वहां फैसला करने में कोई दिक्कत नहीं होती है। लेकिन इस बार ऐसी कोई कवायद नहीं हुई। प्रदेश कमेटी के नेताओं को तो हवा तक नहीं लगी कि कहां से कौन सांसद चुनाव में उतारा जा रहा है? यहां तक कि जिन बड़े नेताओं को टिकट दी गई उनको खुद को भी अंदाजा नहीं था कि उन्हें लड़ने के लिए कहा जाएगा। हालांकि केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि उनको पहले बताया गया था लेकिन हकीकत यह है कि नाम की घोषणा होने के 15 दिन तक वे अपने लोकसभा क्षेत्र मुरैना की दिमनी विधानसभा में नहीं गए, जहां से उनको चुनाव लड़ना है।

पार्टी के शीर्ष नेताओं ने टिकट का ऐसा सस्पेंस बनाया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तक को कुछ अंदाजा नहीं लगा। उनका अपना नाम चौथी सूची में जारी हुआ। राजस्थान में भी जब राज्यवर्धन सिंह राठौड़, दीया कुमारी जैसे सांसदों के नाम घोषित हुए तो वह सबके लिए चौंकाने वाली घोषणा थी। पार्टी के दिग्गज नेताओं की टिकट काट कर इनको उम्मीदवार बनाया गया। वसुंधरा राजे को कोई अंदाजा नहीं था कि किसकी टिकट कट रही है और किसको मिल रही है। उनके करीबी नेताओं युनुस खान, नरपत सिंह राजवी, राजपाल सिंह शेखावत, अनिता सिंह आदि के टिकट कटे है या कटने वाले है।

आमतौर पर भाजपा में हर सीट पर कई बार सर्वेक्षण कराया जाता है। जिला व प्रदेश संगठनसे भी फीडबैक ली जाती है। उसके ऊपर से राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की फीडबैक होती है और तब टिकट तय होते है। इस प्रक्रिया में सबको पता होता है कि कहां से किसका नाम सूची में है और किसे टिकट मिल सकती है। लेकिन इस बार भाजपा ने सब कुछ उलटा पुलटा कर दिया। किसी को अंदाजा ही नहीं हुआ कि कहां से किसका नाम तय हो रहा है। चुनाव की घोषणा से कई हफ्ते पहले ही टिकटों की घोषणा शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि मोदी और शाह ने यह सोच कर टिकट बांटी है कि जब चुनाव उनको ही लड़ना है तो फिर किसी को भी उम्मीदवार बनाए क्या फर्क पड़ता है। अगर ऐसा है तो यह बड़ा रणनीतिक बदलाव है और अगर यह सफल हुआ तो अगले साल के लोकसभा चुनाव में भी यह प्रयोग देखने को मिल सकता है।

-हरिशंकर व्यास-

भाजपा की सूची से वसुंधरा समर्थकों में नाराजगी

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 41 प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में शामिल 41 सीटों में से 40 सीटों पर भाजपा पिछले विधानसभा चुनाव में हार गई थी। एकमात्र विद्याधर नगर की सीट पर पूर्व मंत्री नरपत सिंह राजवी चुनाव जीते थे। मगर उनका भी टिकट काट दिया गया है। विद्याधर नगर से मौजूदा विधायक नरपत सिंह राजवी, झोटवाड़ा से पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत, मांडल से पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर, नगर से पूर्व विधायक अनिता सिंह, बांदीकुई से पूर्व विधायक अलका सिंह गुर्जर, सुजानगढ़ से पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, वैर से पूर्व विधायक रामस्वरूप कोली का टिकट कटने से वसुंधरा खेमे में नाराजगी व्याप्त हो रही है। टिकट कटने वाले सभी नेता पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के करीबी माने जाते हैं।

हालांकि भाजपा आलाकमान का कहना है कि हमने जो 41 सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों की घोषणा की है उनमें से 40 प्रत्याशी पिछले चुनाव में हार चुके थे। इनमें भी 11 सीट दातारामगढ़, कोटपूतली, झुंझुनू, सांचैर, फतेहपुर, लक्ष्मणगढ, नवलगढ़, लालसोट, सपोटरा, बागीदौरा और बस्सी ऐसी विधानसभा सीट हैं जहां भाजपा पिछले तीन चुनाव से लगातार हार रही है। इन 41 सीटों में 2018 में भाजपा ने सिर्फ एक सीट ही जीती थी। वहीं 2013 में 25 सीट व 2008 में 5 सीटो पर ही जीत पाई थी।

अपने हार के आंकड़ों को सुधारने के लिए ही भाजपा ने इस बार इन 41 सीटों पर बड़ा फेरबदल किया है। इन 41 सीटों में से 29 सीटों पर इस बार भाजपा ने नए उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा है। इनमें से 6 प्रत्याशी तो ऐसे हैं जो पिछले विधानसभा चुनाव में निर्दलीय या अन्य दलों से चुनाव लड़े थे। इनमें से कई ऐसे प्रत्याशी भी है जो पिछले चुनाव में तीसरे नंबर पर आए थे। लेकिन फिर भी उनको पार्टी टिकट दे दी गई है। अभी तक भाजपा द्वारा घोषित किए गए 41 प्रत्याशियों में 6 लोकसभा के मौजूदा सांसदो को टिकट दिया गया है।

जिसमें जयपुर ग्रामीण के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्यवर्धन राठौर को झोटवाड़ा से कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारिया के सामने, अलवर सांसद बाबा बालकनाथ को तिजारा में राज्य खाद्य निगम के अध्यक्ष विधायक संदीप यादव के सामने, जालौर सांसद देवजी पटेल को सांचैर से मंत्री सुखराम बिश्नोई के सामने, अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी को किशनगढ़ से निर्दलीय विधायक सुरेश टांक के सामने, झुंझुनू सांसद नरेंद्र कुमार को मंडावा से कांग्रेस विधायक रीटा चौधरी के सामने, राजसमंद सांसद दिया कुमारी को विद्याधर नगर से भाजपा ने प्रत्याशी बनाया है। राज्यसभा सांसद डॉक्टर किरोडी लाल मीणा को सवाई माधोपुर से कांग्रेस के विधायक दानिश अबरार के सामने, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया को लक्ष्मणगढ़ सीट से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के सामने प्रत्याशी बनाया गया है। पूर्व सांसद बहादुर सिंह कोली को वैर से कैबिनेट मंत्री भजनलाल जाटव के सामने उम्मीदवार बनाया गया है।

भाजपा का मानना है कि अशोक गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री व कांग्रेस पार्टी के बड़े नेताओं के सामने सांसदों को प्रत्याशी बनाने से चुनाव में कांटे की टक्कर हो जाएगी। ऐसे में सरकार के मंत्री दूसरी सीटों पर प्रचार करने के लिए नहीं निकाल पाएंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा के सामने भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री व सीकर से तीन बार सांसद रहे सुभाष महरिया को प्रत्याशी बनाया है। सुभाष महरिया 2013 के विधानसभा चुनाव में गोविंद सिंह डोटासरा से पराजित हो चुके हैं।

भाजपा ने जिन 41 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा की है उनमें से अधिकांश सीटों पर टिकट की दावेदारी जता रहे प्रत्याशियों ने विरोध करना शुरू कर दिया है। कई सीटों पर तो पिछले चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे नेताओं ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा भी करदी है। जिससे भाजपा की स्थिति खराब हो रही है। भाजपा ने झुंझुनू सीट पर पिछली बार चुनाव लड़े राजेंद्र भाम्भू के स्थान पर पिछली बार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े निषित उर्फ बबलू चौधरी को टिकट दिया है। जिससे नाराज होकर राजेंद्र भाम्भू ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है।

मंडावा में सांसद नरेंद्र कुमार को टिकट देने से 2019 के विधानसभा उपचुनाव में प्रत्याशी रही सुशीला सीगड़ा, पूर्व प्रधान गिरधारी खिचड़ ने भी बगावती राग अलापना शुरू कर दिया हैं। जयपुर के झोटवाड़ा सीट पर तो पूर्व मंत्री राजपाल सिंह का टिकट कटने के बाद उनके समर्थको ने सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को काले झंडे दिखाकर विरोध जता रहे हैं। कोटपूतली से टिकट कटने पर पिछली बार भाजपा के प्रत्याशी रहे मुकेश गोयल ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। भरतपुर जिले की नगर सीट से दो बार विधायक रही अनीता गुर्जर ने अपना टिकट काटने पर निर्दलीय चुनाव लड़ने की बात कही है।

देवली-उनियारा सीट पर गुर्जर नेता रहे कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे विजय बैसला को टिकट देने पर पिछली बार भाजपा प्रत्याशी रहे राजेंद्र गुर्जर काफी नाराज है तथा खुलकर अपनी नाराजगी प्रकट करते हुए विजय बैसला को बाहरी प्रत्याशी बताकर उनका विरोध कर रहे हैं। सांचैर से सांसद देवजी पटेल को टिकट मिलने पर 2018 में चुनाव लड़े दानाराम चैधरी के समर्थक तो देवजी पटेल के साथ मारपीट तक कर चुके हैं।

2022 में सहाड़ा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने रतनलाल जाट को टिकट दिया था। मगर इस बार लादूलाल पितलिया को प्रत्याशी बनाया है। उपचुनाव में पीतलिया ने निर्दलिय फॉर्म भरा था मगर बाद में समझाने पर चुनाव मैदान से हट गए थे। हालांकि भाजपा ने उदयपुरवाटी से अपने पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी को टिकट देकर महाराष्ट्र में शिवसेना शिंदे गुट में शामिल हुए बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा के लिए सीट नहीं छोड़कर शिंदे गुट को उनकी हैसियत दिखा दी है। लाल डायरी प्रकरण से चर्चित हुए राजेंद्र सिंह गुढ़ा पिछले दिनों ही अपने गांव में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लाकर यह प्रयास कर रहे थे कि भाजपा उनके लिए खाली छोड़ दे। मगर भाजपा ने ऐसा नहीं किया।

हालांकि कांग्रेस ने अभी तक राजस्थान में अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है। जबकि भाजपा ने 41 सीटों पर नाम की घोषणा कर दी है। मगर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करने के बाद भाजपा में जिस तरह की आपसी खींचतान व विरोध हो रहा है उसके चलते पार्टी बैक फुट पर आ गई है। इसी कारण पार्टी ने अन्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा रोक दी है। भाजपा में घोषित उम्मीदवारों के खिलाफ उठे विद्रोह से भाजपा के बड़े नेता डर गए लगते हैं। वहीं वसुंधरा राजे समर्थक वर्तमान विधायकों को भी अपनी टिकट कटने का डर सताने लगा है। मगर पार्टी में उठे विरोध को देखते हुये मौजूदा विधायकों का टिकट काटना भाजपा के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है।

अजन्मे बच्चे के अधिकारों की रक्षा का बड़ा मानवीय फैसला

सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर कभी-कभी नैतिक एवं मानवीय मूल्यों से जुड़े मुद्दे भी विचाराधीन आते हैं, भारतीय न्यायालय की विशेषता रही है कि वह ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए अनूठे फैसले लेकर मानवीय एवं नैतिक मूल्यों को मजबूती दी है। ऐसे ही एक मामले में अजन्मे बच्चे की नैतिकता के आधार पर पैरवी खुद सुप्रीम कोर्ट ने करते हुए एक मिसाल कायम की है। सुप्रीम कोर्ट ने छब्बीस सप्ताह का गर्भ गिराने की मांग करने वाली याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी है कि चूंकि भ्रूण का विकास सामान्य है इसलिए उसे जन्म लेना चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि बच्चे की स्थिति एक दम सही है और उसे जन्म मिलना ही चाहिए। अदालत कह चुकी है कि महिला यदि चाहे तो पैदा होने वाले बच्चे को जन्म के बाद सरकार को सौंप सकती है। इसी मामले की सुनवाई के दौरान कुछ दिन पहले सीजेआइ डीवाई चंद्रचूड ने कहा था कि बेशक मां की स्वायत्तता बड़ी है, पर यहां अजन्मे बच्चे के लिए कोई भी पैरवी नहीं कर रहा है जो उसके अधिकारों की बात कर सके। निश्चित ही भारतीय न्यायालय के सम्मुख यह अपने आप में एक अनूठा मामला है जिसमें एक अजन्मे शिशु के अधिकारों के लिए सर्वोच्च न्यायालय नैतिक आधार पर पक्षकार बना है।

शादीशुदा महिला को 26 हफ्ते का गर्भ गिराने की मंजूरी देने का फैसला वापस लेने की केंद्र की गुहार पर सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने पिछले बुधवार को खंडित फैसला सुनाया था। बेंच में जस्टिस हिमा कोहली ने कहा था कि कौन-सी अदालत कहेगी कि एक भ्रूण के दिल की धड़कनों को रोका जाए। मैं गर्भपात की मंजूरी नहीं दे सकती। वहीं, जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि कोर्ट को महिला के फैसले का सम्मान करना चाहिए, जो गर्भ को गिराना चाहती है। अलग-अलग राय होने पर पर मामला बड़ी बेंच को भेजा गया था। अब कोर्ट के सम्मुख जहां महिला के सुरक्षित एवं स्वस्थ रहने के अधिकार का मामला था वहीं एक अजन्मे बच्चे के अधिकार का भी मामला था। कोर्ट ने दोनों के बीच संतुलन स्थापित करते हुए जो फैसला लिया, वह कानून से ज्यादा मानवीय दृष्टि से लिया गया फैसला है।

अदालत का यह फैसला निश्चित ही मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखकर आया है। एक तथ्य यह भी है कि दुनिया भर में गर्भपात के उदार कानून की मांग को लेकर आंदोलन का दौर भी जारी है। खास तौर से यह आंदोलन उन महिलाओं का पक्षधर है जो अवांछित गर्भ ठहर जाने के कारण गैर-कानूनी गर्भपात का सहारा लेकर अपनी जान तक खतरे में डाल देती हैं। मोटे तौर पर सवाल सिर्फ महिलाओं का उनके शरीर पर अधिकार का ही नहीं है बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु के जिंदा रहने के अधिकार का भी है। इस तथ्य को भी ध्यान में रखना आवश्यक होगा कि हमारे देश में कानूनी प्रतिबंध के बावजूद कन्या भ्रूण हत्या के मामले सामने आते ही रहते हैं। जरूरत इस बात की है कि अजन्मे बच्चों के हकों की भी चिंता की जाए और गर्भ में ही ऐसे अजन्मे बच्चों को मार देने के प्रचलन पर नियंत्रण की भी पुख्ता व्यवस्था हो।

ताजा मामले में कई सवाल खड़े हुए हैं कि क्या एक अजन्मे बच्चे को भी एक आम के बराबर कुछ अधिकार मिलते हैं। सबसे पहला सवाल तो यही उठता है कि क्या भ्रूण एक कानूनी व्यक्ति है या नहीं? इस सवाल का जवाब इस आधार पर दिया जा सकता है कि भ्रूण में जीवन है या नहीं? भारतीय कानूनों में जीवन और मृत्यु से जुड़े कई प्रावधान हैं। भारत के आपराधिक कानून के अनुसार, गर्भावस्था की अवधि के लिए बच्चा मां के पास होता है और भ्रूण के रूप में बच्चे का जीवन होता है। अगर कोर्ट और कानून भ्रूण के रूप में बच्चे का जीवन स्वीकार करते हैं तो उसके कुछ संविधानिक अधिकार भी होते हैं।

आधुनिक समय में भ्रूणों और विशेषतः कन्याभ्रूणों की हत्या का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। जबकि भारतीय संस्कृति में मां की ममता का एक रूप तो वह था, जिसमें वह अपने विकलांग, विक्षिप्त और बीमार बच्चे का आखरी सांस तक पालन करती थी। परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा की गई उसकी उपेक्षा से मां पूरी तरह से आहत हो जाती थी। वही भारतीय मां अपने अजन्मे, अबोल शिशु को अपनी सहमति से समाप्त कराने को क्यों एवं कैसे तत्पर हो सकती है? क्या उसकी ममता का स्रोत सूख गया है? क्या भारतीय मातृत्व की नयी परिभाषा गढ़ी जा रही है? सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने महिला का अपने ऊपर अधिकार और अजन्मे बच्चे के अधिकारों को लेकर ऐसी चर्चा को जन्म दिया है जिसे लेकर ठोस मानवीय प्रावधान होना ही चाहिए। यों कहा जाना चाहिए कि अजन्मे शिशु के अधिकारों और माता के अधिकारों के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है।

प्रधान न्यायाधीश और जजों की पीठ ने व्यापक विचार किया और महिला की पैरवी कर रहे वकील से पूछा कि अदालत एक जीवित भ्रूण की हत्या का आदेश कैसे दे? आखिर अजन्मे को भी जीवन जीने का अधिकार है। भले ही दुनिया के कई देशों में जीवन के अधिकार को बड़ा माना जाता है, तो कई देशों में व्यक्ति की इच्छा को बड़ा माना जाता है। इसलिए अब यह भी प्रश्न बना हुआ है कि महिला और गर्भस्थ शिशु में से किसके जीवन के अधिकार को तरजीह दी जाए। गर्भ गिराने की मांग करने वाली महिला का कहना था कि मानसिक एवं शारीरिक स्थिति ठीक न होने और कई बीमारियों से जूझने के कारण वह बच्चे को जन्म देने की स्थिति में नहीं है। कोर्ट ने गर्भवती महिला के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की एक बार फिर जांच करने का निर्देश दिया है। कानून के मुताबिक 24 सप्ताह से अधिक के भ्रूण को गिराया नहीं जा सकता। यह बात अलग है कि बलात्कार जैसे मामलों में पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने कानून में तय समयावधि से ज्यादा के गर्भ के मामलों में भी गर्भपात की अनुमति दी है। सात माह के बच्चे को गर्भ से बाहर निकालने का अर्थ है कि मां और शिशु दोनों की सेहत को खतरा पैदा हो सकता है। पैदा होने के बाद शिशु को पालने के बारे में वैकल्पिक व्यवस्था की जा सकती है। आखिर महिला ने जब इतने समय तक अपने गर्भ में भ्रूण को पाला तो कुछ हफ्ते और पालने में क्या हर्ज है।

अजन्मे के अधिकार की रक्षा एवं गर्भवती महिला के जीवन के अधिकार की रक्षा के बीच संतुलन स्थापित करते हुए सुप्रीम कोर्ट एक नजीर बना है। यह उन तमाम मामलों के लिए जिनमें व्यक्ति अपने जीवन के अधिकार को ऊपर रखता है, उदाहरण के रूप में पथदर्शन करेगा। ऐसे मामलों में व्यापक जन-जागृति के साथ सरकार को भी गंभीर होना होगा। हमारे देश में शिक्षा के प्रसार के बावजूद खास तौर से ग्रामीण इलाकों में गर्भनिरोधकों के विकल्पों का प्रचार व्यापक रूप में करना होगा। ऐसे में जरूरत है कि देश में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित जांच की और प्रभावी व्यवस्था हो। किन्हीं मामलों में ऐसे बच्चों को जन्म के बाद मां उसके पालन करने में अक्षम हो तो बच्चे के पालन की व्यवस्था सरकार को अपने हाथ में लेते हुए ऐसे पालनाघर बनाने चाहिए जहां बच्चों का समुचित लालन-पालन हो सके। बहुत बड़ी तादाद में ऐसे लोग होंगे, जिन्हें अजन्मे बच्चे के अधिकार पता नहीं होते हैं, इन अजन्मे बच्चों के अधिकारों का भी व्यापक प्रचार-प्रसार हो।

-ललित गर्ग-

निठारी कांड के निर्णय पर गूंजते सवाल

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के नोएडा के चर्चित निठारी कांड के 12 केस के आरोपी सुरेंद्र कोली और दो केस में फंसी की सजा पाए कोठी डीएसल़5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को भी ने बरी कर दिया है। शायद यह एतिहासिक होगा कि एक साथ 12 मामलों में फंसी के आरोपी को बरी किया गया हो। न्यायालय ने इन्हें दोष मुक्त तो करार दे दिया। किंतु ये न्याय एक तरफा है। अधूरा है।निठारी कांड तो हुआ है।चर्चित निठारी कांड में निचली अदालत से कोली को एक दर्जन से अधिक मामलों में फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। निठारी गांव के कोठी डीएसल़5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को दो केस में फंसी की सजा हो चुकी है।अब जब की ये निचली अदालत से फांसी की सजा पाए ये दोनों आरोपी हाईकोर्ट ने बरी कर दिए तो व्यवस्था को यह तो बताना ही होगा कि फिर इस कांड के आरोपी कौन हैं? किसने इस कांड की 19 घटनाओं को अंजाम दिया। कांड तो हुआ ही है।ये दोंनों आरोपी इसलिए बरी हो गए कि इनके विरूद्ध सुबूत नही थे। किंतु पीड़ित परिवार को भी तो न्याय चाहिए।उनके परिवार की युवतियों, बेटियों बच्चों पर जुल्म करने वाला, उनसे व्यभिचार कर उन्हें काटकर खाने वाला कोई तो होगा? किसी ने तो ये कांड किया होगा? उसे कानून की जद में लाकर सजा कौन दिलाएगा? ये निर्दोष थे तो फिर इनकी कोठी के पास नाले में किसने मारकर इनको डाला?

इस मामले में कई दिनों तक चली बहस के बाद अदालत ने सोमवार को हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने सुरेंद्र कोली को दोषमुक्त कर दिया। निचली अदालत ने उसे फांसी की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ उसने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। कोठी ष्ठ-5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को भी कोर्ट ने बरी कर दिया है। न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एसएएच रिजवी की अदालत ने यह फैसला सुनाया। कोली पर आरोप है कि वह पंढेर कोठी का केयरटेकर था और लड़कियों को लालच देकर कोठी में लाता था। निठारी गांव की दर्जनों लड़कियां गायब हो गई। वह उनसे दुष्कर्म कर हत्या कर देता था। लाश के टुकड़े कर बाहर फेंक आता था।

29 दिसंबर 2006 को नोएडा में मोनिंदर सिंह पंढेर के घर के पीछे नाले से 19 बच्चों और महिलाओं के कंकाल मिले। मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली गिरफ्तार किया।आठ फरवरी 2007 को कोली और पंढेर को 14 दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा गया।मई 2007 को सीबीआई ने पंढेर को अपनी चार्जशीट में अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोपमुक्त कर दिया था। दो माह बाद अदालत की फटकार के बाद सीबीआई ने उसे मामले में सहअभियुक्त बनाया।13 फरवरी 2009 को विशेष अदालत ने पंढेर और कोली को 15 वर्षीय किशोरी के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या का दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। ये पहला फैसला था।इसके बाद 11 केस में दोनों को सजा हुई।

पुलिस ने इस मामले में कहा था कि कम से कम 19 युवा महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया था, उनकी हत्या कर दी गई थी और उनके शवों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए थे। पुलिस ने उस समय कहा था कि ये हत्याएं पंढेर के घर के अंदर हुई थीं, जहां कोली नौकर के तौर पर काम करते थे।पुलिस ने आरोप लगाया कि जिन बच्चों के अवशेष बैग में छिपे हुए पाए गए थे, उन्हें कोली ने मिठाई और चॉकलेट देकर लालच देकर मार डाला था।पुलिस का कहना था कि जांच के दौरान कोली ने नरभक्षण और नेक्रोफिलिया (शवों के साथ संबंध बनाने) की बात कबूल की थी। बाद में उन्होंने अदालत में अपना कबूलनामा ये कहते हुए वापस ले लिया कि उनसे जबरन ये बयान दिलवाया गया था।सीबीआई ने सुरेंदर कोली और पंढेर के खिलाफ़ 19 मामले दर्ज किए थे। जहां कोली पर हत्या, अपहरण, बलात्कार, सबूतों को मिटाने जैसे आरोप थे तो वहीं पंढेर पर अनैतिक तस्करी का आरोप था।इस मामले की गूंज कई सालों तक देश गूंजती रही थी। लोगों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने के आरोप लगाए थे. स्थानीय लोगों ने उस समय कहा था कि पुलिस इस मामले में इसलिए भी कार्रवाई नहीं कर सकी क्योंकि लापता होने वालों में से अधिकतर गरीब परिवार के थे. गाज़ियाबाद जेल में बंद कोली को इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा सुनवाई किए जा रहे 12 मामलों में मौत की सज़ा सुनाई गई थी। वहीं पंढेर नोएडा की जेल में बंद हैं और उन्हें दो मामलों में मौत की सज़ा हुई थी।कोली की सज़ा को उम्रकैद में बदलने वाले हाईकोर्ट के आदेश को उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

न्यायालय ने निर्णय में ये माना कि आरोपियों के विरूद्ध सबूत नही हैं। न्यायालय ने ये नही कहा कि कांड हुआ ही नही।कांड तो हुआ। 19 महिलाओं और बच्चियों के कंकाल कोठी डीएसल़5 के सामने नाले से मिले। अब प्रश्न यह है कि ये नही तो किसी और ने ये कांड किया है।जिसने कांड किया उसे सजा दिलाने की किसकी जिम्मेदारी है? किंतु लगता है कि न्यायालय ने इस केस के आरोपी के बरी हो जाने के बाद ये केस व्यवस्था की कबाड़ की फाइल में चला जाएगा। 2006 से न्याय की आशा में बैठे पीडित परिवार को रो पीट कर चुप हो बैठना पड़ेगा ।इस निर्णय के बाद पीड़ितों के माता पिता और परिवार वालों का दुख और गहरा हो गया। अपनों को खोने वालों ने कहा कि 17 साल बाद भी हम लोगों को न्याय नहीं मिला। निठारी कांड में अपने बच्चों को खोने वाले पैरेंट्स का लगभग एक ही सवाल है कि अगर पंढ़ेर और कोली निर्दोष हैं तो उनके बच्चों को किसने मारा है?

एक बात और हाईकोर्ट ने कहा कि शवों की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जांच नही हुई।ये रिपोर्ट मानव तस्करी की ओर इशारा कर रही थी।दोनों न्यायधीश ने जांच पर नाखुशी जताते हुए ये भी कहा कि जांच बेहद खराब है। सुबूत जुटाने की मौलिक प्रक्रिया का पूरी तरह उल्लंघन किया गया। जांच एसेंसियों की नाकामी जनता के विश्वास के साथ धोखा है। हाईकोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसियों ने अंग व्यापार के गंभीर पहलुओं की जांच किए बिना एक गरीब नौकर को खलनायक की तरह पेश किया। हाईकोर्ट ने माना कि ऐसी गंभीर चूक के कारण मिलीभगत सहित कई गंभीर निष्कर्ष संभव है। हाईकोर्ट ने यह भी माना कि आरोपी अपील कर्ता को निचली अदालत में स्पष्ट रूप से निचली अदालत में सुनवाई का मौका नही मिला। न्यायालय ने निर्णय में ये भी कहा कि दोनों आरोपियों के खिलाफ कोई सुबूत नही हैं।सुबूत के अभाव में दोनों आरोपियों को लगभग 17 साल जेल में रहना पड़ा।अकारण जेल में बिताए इनके इन सालों के लिए कौन जिम्मेदार है?इस केस में शुरूआत से ही पुलिस पर आरोप लगते रहते हैं कि वह इस मामले में रूचि नही ले रही।उसीके बाद मामला सीबीआई को गया। अब सीबीआई की जांच पर भी सवाल उठा है तो सीबीआई को अपनी जांच और प्रक्रिया पर भी सोचना और बदलाव करना होगा। क्योंकि देश में उसका बहुत सम्मान है। प्रत्येक प्रकार के टिपिकल मामले में उसी से जांच कराने की बात आती है। अब उसकी भी जांच ऐसी ही निम्न स्तरीय होगी,तो फिर उसे सोचना तो होगा ही।

-अशोक मधुप-

असली माता कौन है ?

आज घर-घर में बड़े उल्लास थे
बिखरी खुशियाँ आस-पास थे
ढोल-नगाड़े बज रहे थे
द्वार-द्वार सज रहे थे
इस खुशी का क्या कारण था?
दैवीय रूप क्या सचमुच धारण था?
पर उसके कर्म कभी नही दिखा
जिनका दिखा उनका इज्जत बिका
पर इसका करे कौन परवाह है?
मानुष लापरवाह है
तभी तो न पहचाने देवी कौन है?
गृह भीतर में विराजित मौन है
जिसने जन्म देकर उपकार किया
नाना गुणों भरमार दिया
पढ़ा-लिखा कर शिक्षित किया
प्रगति पथ को उन्मुख किया
आज घर-घर में उसकी उपहास है
जिनका अस्तित्व नही
उनके लिए उपवास है।
भाग्यदात्री की भाव-भंगिमा मौन है
मूढ़ पहचानों असली माता कौन है?

चन्द्रकांत खुंटे क्रांति
जांजगीर-चांपा
छत्तीसगढ़

अँधेरे पर भारी अब उजाला होना चाहिए

यु प्यार से मिलना और मिलाना चाहिए
कतरा-कतरा मिल के समंदर बन चाहिए
बहुत अंधेरा छा गया है जीवन में दोस्तों
अँधेरे पर भारी अब उजाला होना चाहिए
कहने को तो अब सब कुछ है जीवन में
पर सुकून का कोई पल नहीं है जहन में
अहसासों में सुकून का ठिकाना चाहिए
अँधेरे पर भारी अब उजाला होना चाहिए
कब तक चलेगी नियति से लड़ाई हमारी
प्रतिपल बदलती जैसे लगती हो बीमारी
खुशियों का हाल भी बदला होना चाहिए
अँधेरे पर भारी अब उजाला होना चाहिए
हर कोई मुक़द्दर से लड़ नहीं सकता
तकदीर का लिखा बदल नहीं सकता
तकदीर बदले ऐसे तदबीर होना चाहिए
अँधेरे पर भारी अब उजाला होना चाहिए
होने को तो सब हो सकती मुक़म्मल
सत्य पर करता नहीं कोई अब अमल
असत्य पर सत्य की जीत होनी चाहिए
अँधेरे पर भारी
अब उजाला होना चाहिए

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़

आया है नवरात्रि का त्योहार

आया है नवरात्रि का त्योहार।
नवरात्रि में माँ का सजेगा दरबार।
गली-गली गूँजेंगे भजन कीर्तन,
माँ अंबे की होगी जय जय कार।।
आयी है होकर शेरों पर सवार।
माता ने किये है सोलह श्रृंगार।
लगे सौम्य सुंदर मुखड़ा माँ का,
दिखता आँखों में असीम प्यार।।
माँ ने करने को भक्तों का उद्धार।
नवरात्रि में लिये थे नौ अवतार।
पाप जब बढ़ गया था दुष्टों का,
किया था माँ ने असुरों का संहार।।
मेरा हृदय है मइया आपका द्वार।
आपकी कृपा से होगा बेड़ा पार।
सुख, समृद्ध, स्वस्थ हो प्रियजन,
सुनो इतनी अरज करो उपकार।।
जगदम्बे अब फिर से लो अवतार।
या भर दो बेटियों में शक्ति अपार।
डाले जो कोई उनपर गन्दी नजर,
चंडी बनके कर दे दुष्टों का संहार।।

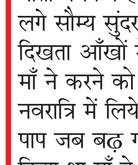

सोनल मंजू श्री ओमर
राजकोट,
गुजरात

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

दुकान का ताला तोडक़र चोरों ने पार की 4 लाख की ज्वेलरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र के भगवानपुर में सोमवार की रात तीन चोरों ने जेवर दुकान के शटर का लॉक तोडक़र लगभग 4 लाख का जेवरात पार कर दिया है। चोरी की पूरी घटना दुकान के पास लगे सीसीटीवी कैमरा में कैद हुई है। दुकान संचालक की रिपोर्ट पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की।

हरेराम सोनी बधियाचुआं का रहने वाला है। इसका गांधीनगर थाना क्षेत्र के भगवानपुर में माधुरी ज्वेलर्स दुकान है। वह सोमवार की रात करीब 8 बजे दुकान बंद कर घर चला गया। मंगलवार की सुबह 6 बजे बलग के चाय दुकान संचालक ने हरेराम को मोबाइल के माध्यम से सूचना दिया कि आपके दुकान का लॉक टूटा हुआ है। सूचना पर दुकान संचालक पहुंचकर देखा तो दुकान का लॉक टूटा हुआ था और अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने 2 सोने का लॉकेट, 4 किलो चांदी सहित अन्य जेवरात पार कर दिए हैं। कुल चोरी लगभग चार लाख से अधिक की बताई जा राही है। सूचना पर गांधीनगर थाना प्रभारी प्रदीप जॉन लकड़ा टीम के साथ मौके पर पहुंचकर ममाले की जांच की। दुकान के पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पता चला की बाइक से तीन लोग रात 12.20 बजे दुकान के समीप पहुंचे। इधर-उधर देखकर दुकान के शटर का लॉक रॉड से तोडने़ का प्रयास करने लगे। इस दौरान रास्ते से गुजर रहे वाहनों को देखकर चोर छिप जाते थे। 12.58 बजे लॉक तोडक़र दुकान के अंदर घुस और चोरी की घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। दुकान संचालक की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

चेकिंग अभियान जोरों पर,चेकिंग के दौरान लोगों से वसुले गये लाखों रुपये समन शुल्क

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सरगुजा पुलिस द्वारा जिले के सभी मोबाइल चेक पोस्टों पर अभियान चलाकर वाहनों की चेकिंग की जा रही है। आदर्श आचार संहिता लगने के बाद सुरक्षा हेतु मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई कर पुलिस ने कुल 8 लाख 72 हजार 400 रुपए समन शुल्क वसूले हैं।

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आईजी अंकित गर्ग व एसपी सुनील शर्मा ने जिले के सभी मोबाइल चेक पोस्टों से गुजरने वाले वाहनों पर सघन चेकिंग करने के निर्देश दिए हैं। निर्देश के बाद पुलिस ने चेक पोस्टों पर वाहनों की चेकिंग अभियान शुरू कर दी है। आदर्श आचार संहिता लगने के बाद से 2218 प्रकरणों में कुल 8 लाख 72 हजार 400 रुपए समन शुल्क वाहन चालकों से वसूले हैं। एसपी ने आमनागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने व सुरक्षा जांच में सहयोग करने की अपील की है।

वेद प्रकाश शर्मा की हुई घर वापसी,कांग्रेस में हुए शामिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सदस्य एवं जिला कार्य समिति सदस्य वेद प्रकाश शर्मा बेदी ने भाजपा छोड़ कर वापस कांग्रेस का दामन थाम लिया है।उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव के समक्ष उन्होंने कांग्रेस का दामन थामा।घर वापसी पश्चात उन्होंने कहा भाजपा में कार्यकर्ताओ का कद्र नहीं है। कांग्रेस में शामिल होकर अपने घर लौट आने जैसी खुशी मिल रही है।सब मिलकर उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव को बड़े अंतर से जिताएंगे।प्रदेश में फिर से दो तिहाई बहुमत से कांग्रेस की सरकार बनेगी।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत अमृत कलश यात्रा का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम के अंतर्गत पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा अमृत कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कॉलेज प्रांगण में अमृत कलश को सुसज्जित कर स्थापित किया गया। मेरी माटी मेरा देश अभियान की सामान्य जानकारी कार्यक्रम अधिकारी प्रो. राजीव कुमार द्वारा प्रदान की गई। संस्था के प्राचार्य डॉक्टर रिजवान उल्ला द्वारा महाविद्यालय उद्यान से थोड़ी सी मात्रा में मिट्टी लेकर कलश में डाल कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात अधिकारियों कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा अपने घरों से लाई गई मिट्टी एवं चावल को अमृत कलश में एकत्रित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के विश्वविद्यालय समन्वयक डॉक्टर एसएन पांडे ने %अमृत कलश यात्रा% के विषय में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गांव और घरों से लाकर इस कलश में एकत्रित किए चावल, मिट्टी को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विश्वविद्यालय में एकत्रित किया जाएगा। तत्पश्चात इन अमृत कलशों को रायपुर भेजा जाएगा। रायपुर से यह अमृत कलश व्यवस्था एवं निर्देशानुसार दिल्ली के लिए प्रेषित किया जाएगा । जहां इसका उपयोग स्वतंत्रता सेनानियों ,सैनिकों की स्मृति में निर्मित हो रहे युद्ध स्मारक के पास अमृत उद्यान के निर्माण में किया जाएगा। संस्था के प्राचार्य डॉक्टर रिजवान उल्ला द्वारा सभी को पंच प्रण शपथ दिलाई गई । सभी ने मनसा वाचा कर्मणा देश के विकास में तत्पर रहने, दासता एवं औपनिवेशिक मानसिकता के व्यवहार से दूर रहने, देश के अनमोल विचार और विरासत पर गर्व करने, देश की एकता और अखंडता को सुरक्षित रखने का प्रयत्न करने एवं जागरूक नागरिक होने के नाते कर्तव्य पालन के साथ देश के विकास में हमेशा लगे रहने की शपथ ली।कलश यात्रा समाप्ति के पश्चात चावल संग्रहित एवं मिट्टी संग्रहित अमृत कलश प्राचार्य महोदय के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के विश्वविद्यालय समन्वयक डॉ एस एन पांडेय को सौंपा गया। कार्यक्रम की समाप्ति पर धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर शशि कला सनमानी के द्वारा महाविद्यालय शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक स्टाफ तथा उपस्थित छात्र-छात्राओं का आभार प्रकट कर किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी मात्रा में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रजनीश कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बने

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

कांग्रेस के युवा तुर्क और क्रिकेट खिलाड़ी रजनीश सिंह को कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया। उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण जैन ने की है।सरगुज़ा में फुटबॉल के भीष्म पितामह स्व भीषम सिंह के सुपुत्र हैं।रजनीश खेल संगठनों से जुड़े है। नई जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव सहित वरिष्ठजनों का आभार जताया है।

बतौली में शांति समिति की बैठक संपन्न

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सीतापुर ने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने से दशहरा त्यौहार को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को तहसील कार्यालय बतौली में शांति समिति बतौली, सेदम, बोदा व बटईकेला की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में बताया कि नवदुर्गा समिति के मध्य डीजे बजाये जाने पर प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही विसर्जन के समय भी पारंपरिक वाद्य यंत्र का उपयोग किये जाने हेतु निर्देशित किया गया और दुर्गा पण्डालों में राजनीतिक गतिविधियों, पोस्टर, बैनर आदि पर बैन रहेगा। शांति समिति को वालियन्टर रखने हेतु निर्देशित किया गया। मेला स्थल पर पेयजल एवं अग्निशामक, रखे जाने हेतु निर्देशित किया गया एवं नगर पंचायत से शौचालय की व्यवस्था किये जाने पर चर्चा की गई। सभी दुर्गा समितियों के द्वारा शांति बनाये रखने हेतु सहमति दी गई।

बैठक में तहसीलदार बतौली, नायब तहसीलदार बतौली एवं राजस्व निरीक्षक और समितियों के पदाधिकारी, सेदम, बोदा व बटईकेला के नवदुर्गा समिति के सदस्य उपस्थित थे।

कुसमी में भक्त उत्साह के साथ मना रहे हैं नवरात्र का पर्व

- संवाददाता -
कुसमी,17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

शरदीय नवरात्र के शुभ अवसर पर मां दुर्गा सहित अन्य देवी देवताओं की प्रतिमा स्थापित कर भक्त भक्ति भाव के साथ पुजा अर्चना कर रहे है ,गौरतलब है की कुसमी दुर्गा चौक में सन 1961 से लगातार हर वर्ष शरदीय नवरात्र का पर्व यहां भक्त बड़े ही उत्साह के साथ मनाते आ रहे है और इस वर्ष भी माता रानी का दरबार सजाया गया है झालर की रौशनी माता रानी के दरबार के साथ साथ आसपास की सड़क के किनारे झालर लगने से लोग आकर्षित भी हो रहे है, भक्त माता रानी की पूजा अर्चना कर भक्ति रस में डूबे हुए हैं, वही कुसमी हाट बजार के पास भी मातारानी का प्रतिमा स्थापित कर भक्त मां की पूजा अर्चना कर रहे है , मां शीतला के मंदिर में भी मातारानी की पूजा अर्चना हो रही है,बहरहाल अभी के समय कुसमी सहित अन्य ग्राम पंचायतों में भक्त गण मां की भक्ति में डूबे हुए हैं साथ हि भक्त गण हर रोज मां के दरबार में भंडारे प्रसाद का भी वितरण कर रहे हैं ।

रस्सी खींच प्रतियोगिता में सुशीला ग्रुप शंकरगढ़ आया प्रथम

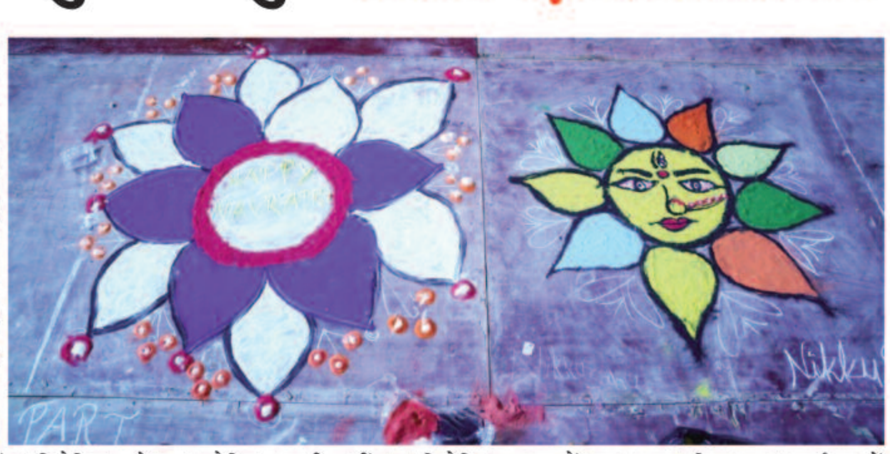

» दुर्गा-पूजा महोत्सव के दौरान प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

अनोखी सोच संस्था द्वारा आयोजित दुर्गा-पूजा महोत्सव के दौरान प्रतिदिन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जा रही है। सोमवार को रंगोली एवं रस्सी खींच प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें सरगुजा संभाग के दूरस्थ अंचलों से प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। रंगोली प्रतियोगिता में जूनियर एवं सीनियर वर्ग में कुल 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनकी प्रतिभा का आकलन करने में निर्णायक मंडल में प्रमुख रूप से सीमा शर्मा, बिन्नी त्रिपाठी, हेलेना नायर, दीपमाला सिंह ने महती भूमिका निभाई एवं विजेताओं का चयन कर सुरक्षित रख लिया, जिसे फाइनल के दिन घोषित किया जाएगा। इसी तारतम्य में महिलाओं हेतु आयोजित रस्सी खींच प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें पूरी ऊर्जा एवं उत्साह के साथ 32 टीमों ने हिस्सा लिया। जिसमें विजेता के रूप में क्रमशः सुशीला ग्रुप शंकरगढ़ प्रथम एवं सुन्दरी साहू मणिपुर ग्रुप घोषित हुई। रस्सी खींच प्रतियोगिता काफी रोचक एवं संघर्षशील रही। आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुमन सिंह, डॉक्टर स्मिता परमार, डॉक्टर स्वप्निल विल्सन, स्वाति शुक्ला, संजय अम्बष्ट, विद्यानंद मिश्रा, स्वरूप सिंह बाबरा उपस्थित थे। जिनका संस्था के सदस्यों द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संस्था के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश साहू, अभय साहू, पंकज चौधरी, भुनेश्वर साहू, चंद्रप्रताप सिंह, सुनील साहू, भोला रक्सेल, अजय साहू, नीलेश साहू, खुशबू केरकेट्टा, बीगन साहू, वीरेन्द्र साहू, दीपक सराठे, रूपेश बेहरा, आकाश साहू, अंकुश साहू, बाबा सिंह, चंदन चौरसिया, मोनू साहू, चुनमुन, प्रदीप साहू, मुकेश मुंडा, रंजीत गुप्ता, रूपेश साहू, गुड्डु केरकेट्टा, अनुग्रह बघेल, रवि गुप्ता,अनिरुद्ध सिंह अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सरगुजा जोन की टीम ने अंडर 17 फुटबॉल प्रतियोगिता का जीता खिताब

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा जोन की टीम अंडर 17 फुटबॉल प्रतियोगिता में बस्तर, बिलासपुर, दुर्ग व रायपुर को हराकर चैंपियन का खिताब हासिल किया है। टीम ने एक भी गोल न खाकर चैंपियन का खिताब हासिल करने में इतिहास रचा है। वहीं गोल्ड मेडल भी प्राप्त किया है। 23 राज्यस्तरीय शालेय फुटबॉल बालक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन कोंडागांव में 15 से 18 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। जिसमें पहले दिन सरगुजा एवं बस्तर के मध्य मैच खेला गया। सरगुजा की टीम ने बस्तर को 2-0 गोल से हराया। दूसरे मैच सरगुजा एवं दुर्ग के मध्य खेला गया जिसमें सरगुजा ने 2-0 से दुर्ग को हराया एवं तीसरे मैच में रायपुर को 5-0 गोल से हराया। जबकि अंतिम लीग मैच में सरगुजा की टीम ने बिलासपुर को 5-0 गोल से हरा दिया। इस टीम के मैनेजर डॉ. प्रमोद कुमार यादव एवं कोच एल्विष लकड़ा थे। टीम के चयनकर्ता विकास सिंह थे। टीम की उपलब्धि पर शिवभजन सिंह, आरिफ खान, प्रमेन्द्र बहादूर सिंह, मुन्नाराम प्रेमलाल, आनन्दधर दीवान, गोपाल सिंह, सत्येंद्र शुक्ला, ज्ञानेश्वर सिंह एवं फुटबॉल संघ ने खिलाडियों को बधाई एवं नेशनल के लिए चयनित खिलाडियों को शुभकामनाएं दी है।

अफगानियों ने लाठी लेकर सीमा शुल्क विभाग की टीम को दौड़ाया,तस्करी के सामान पर कार्रवाई के दौरान घटना

कराची,17 अक्टूबर 2023 । पाकिस्तान के कराची में पुलिस और अर्धसैनिक रेंजरों के साथ सीमा शुल्क विभाग की एक टीम पर अफगान भीड़ ने हमला कर दिया। यह घटना उस वक्त हुई जब शहर में वाणिज्यिक क्षेत्र के बाजार से तस्करी का सामान जब्त करने के लिए छापा मारा था।

सोशल मीडिया में भिड़ंत का वीडियो जमकर वायरल

पुलिस और अफगान भीड़ की भिड़ंत का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रही है। वायरल वीडियो के मुताबिक लाठियों से लैस कई अफगानों को सीमा शुल्क अधिकारियों और पुलिस, रेंजर्स वाहनों के पीछे भागते हुए देखा गया। तारिक रोड कराची के सबसे व्यस्त वाणिज्यिक केंद्रों में से एक है और शॉपिंग मॉल और बाजारों में कपड़े और कपड़े की कई दुकानें हैं, जो आम तौर पर अफगानों के स्वामित्व में हैं।

वहीं सीमा शुल्क सतर्कता के एक सूत्र ने इस घटना की पुष्टि की और कहा कि टीम पुलिस और रेंजरों के साथ खुफिया रिपोर्टों की पुष्टि के बाद वापस गई थी कि तारिक रोड पर अफगानी दुकान मालिकों द्वारा लाखों रुपये के तस्करी के कपड़े और कपड़े बेचे जा रहे थे। पाकिस्तान में कई अफगान शरणार्थियों ने कराची और देश के अन्य हिस्सों में सफल व्यवसाय स्थापित किए हैं और ज्यादातर कपड़े, कालीन, पर्दे और गलीचा व्यवसायों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वे कराची के लगभग सभी प्रमुख वाणिज्यिक केंद्रों और मॉलों में दुकानें रखते हैं या किराए पर लेते हैं।

पुलिस अधिकारी का बयान

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि छापेमारी का सरकार की उस घोषणा से कोई लेना-देना नहीं है। जिसमें कहा गया कि एक नवंबर तक पाकिस्तान में अवैध रूप से रह रहे अफगानों को अपने देश लौटना होगा। एसएसपी रैंक के अधिकारी ने कहा, यह पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच होने वाली तस्करी का मामला है और तस्करी का सामान कराची और अन्य शहरों के बड़े बाजारों में खुलेआम बेचा जाता है। वीडियो में अफगानों को लाठी-डंडों के साथ छापेमारी दल के पीछे भागते और फिर इलाके में वाहनों के शीशे और बॉडी को तोड़ते और क्षतिग्रस्त करते हुए देखा गया है।

हिंट एंड रन मामले की जांच के लिए चैरिटी संस्था ने की इनाम की घोषणा,भारतीय मूल की महिला को मारी थी टक्कर

लंदन,17 अक्टूबर 2023 । ब्रिटेन की एक चैरिटी संस्था क्राइम स्टॉपर ने पश्चिम लंदन में हिट एंड रन मामले की जांच में मदद के लिए मंगलवार को 5,000 पाउंड (करीब 5,06,893 भारतीय रुपये) का इनाम देने की घोषणा की है। स्कॉटलैंड यार्ड पुलिस के जासूसों की मदद करने वालों को यह इनाम दिया जाएगा।

महानगर पुलिस ने बताया कि घटना फरवरी के महीने की एक दोपहर की है। भारतीय मूल की राजदीप कौर (37 वर्षीय) हाउंसलो में अपनी तेरह वर्षीय बेटी को प्राम (टैक्सी) में बैठा रही थी, जैसे ही उसने नॉर्थ हाइड लेन को क्रॉस किया, एक सिल्वर बीएमडब्ल्यू ने ट्रैफिक लाइन को ओवरटेक किया और उसे जोरदार टक्कर मार दी। हालांकि, प्राम बाल-बाल बच गई। टक्कर इतनी जोर की थी कि महिला कुछ दूरी तक हवा में ही उछलकर गिर पड़ी, जिससे उन्हें कुछ जानलेवा चोटें आई।

पुलिस जांच का नेतृत्व कर रहीं डिटेक्टिव कांस्टेबल डेविना नैश ने कहा, यह बहुत ही परेशान करने वाला मामला है। शुक्र है कि कौर बच गई, लेकिन उन्हें चोटें आई हैं, जो उनके जीवन को हमेशा के लिए बदल देंगी। हालांकि, यह केवल सौभाग्य की बात है कि उसकी बेटी को भी कोई चोट नहीं लगी।

उन्होंने कहा, क्राइम स्टॉपर ने जानकारी के लिए इनाम की पेशकश की है और हमें उम्मीद है कि यह किसी को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा, %हमारा मानना है कि बीएमडब्ल्यू का ड्राइवर हाउंसलो इलाके का ही रहने वाला है, और इसलिए किसी से पता चल ही जाएगा कि वह कौन है।

IDF के निशाने पर हमास के आतंकी आका,इस्राइली सेना की सूची में हमास चीफ इस्माइल हनियेह समेत कई लोग

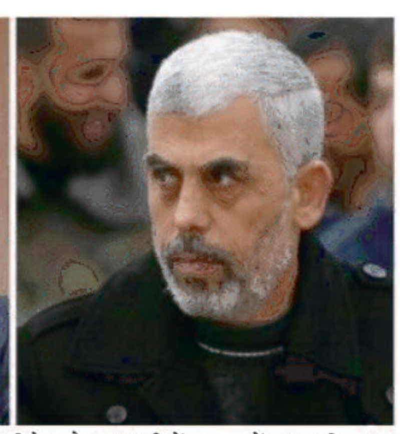

येरुशलम,17 अक्टूबर 2023 । इस्राइली सेना ने हमास के खिलाफ जारी सैन्य कार्रवाई के बीच बताया है कि सात अक्तूबर के दिन हुए हमले का मास्टरमाइंड कौन है? इस्राइल की सेना ने एक बयान में कहा, हमास के आतंकी हमलों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही इस्राइली सेना अब गाजा पट्टी में जमीनी आक्रमण शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

हमास के आतंकी आका नहीं बचेंगे, IDF ने खाई मिटाने की कसम

इसी बीच इस्राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने मंगलवार को आतंकवादी समूह- हमास के संगठन में बड़े नेताओं की पहचान जारी की। हमास के आतंकी आकाओं को निशाना बनाकर संगठन को नष्ट करने की कसम खाते हुए आईडीएफ ने कहा, ये लोग इस्राइली नागरिकों के खिलाफ हमलों के लिए जिम्मेदार हैं।

सात अक्तूबर के हमले का मास्टरमाइंड कौन ?

आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म- एक्स पर कहा हमास के नेताओं में समूह के नेता इस्माइल हनीयेह, येह्या सिनवार शामिल हैं। इस्राइली सेना के अनुसार 7 अक्तूबर के हमले का कथित मास्टरमाइंड एल देइफ है। आतंक के आकाओं के नाम भी जारी किए जाने के बाद माना जा रहा है कि इस्राइली सेना गाजा पट्टी में मौजूद आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूंद करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

हमास का चीफ प्रधानमंत्री, संपत्ति भी तेजी से बढ़ी

माना जा रहा है कि गाजा पट्टी में इस्राइली सेना के बड़े आक्रमण से हालात और नाजुक हो सकते हैं। उत्तरी सीमा पर तनाव बढ़ने की आशंका है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 2006 में फतह के खिलाफ फलस्तीनी चुनावों में हमास की जीत से पहले, इस्माइल हनियेह आतंकवादी समूह की कमान नहीं संभाल रहा था। चुनावी जीत के बाद हनियेह का सितारा बुलंद होने लगा। द टाइम्स ऑफ इस्राइल के अनुसार, हनियेह को गाजा पट्टी में फलस्तीनी प्राधिकरण का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। संपत्ति तेजी से बढ़ने की खबरें भी सामने आई।

सिनवार शैतानी का चेहरा, 2017 से उभरने की शुरुआत

इस्राइली सेना गाजा में हमास के कट्टरपंथी नेता येह्या सिनवार को शैतानी का चेहरा कहती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आईडीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि सिनवार हजारों इस्राइली सैनिकों के लिए शीर्ष लक्ष्य है। लंबे समय तक हमास के भीतर क्रूर प्रवर्तक और इस्राइल का कट्टर दुश्मन माना गया सिनवार 2011 में कैदियों की अदला-बदली में रिहा हुआ। रिहाई से पहले पहले दो दशकों से अधिक समय तक इस्राइली जेलों में रहे सिनवार 2017 में गाजा में आतंकवादी समूह- हमास के नेता के रूप में उभरा। सिनवार का शीर्ष नेतृत्व विदेश में रहता है।

बम बनाने के बाद धमाकों से फैलाया आतंक

हमास के एक और शीर्ष नेता- मोहम्मद दियाब इब्राहिम अल-मसरी, उर्फ एल डेइफ लंबे समय से इस्राइल के निशाने पर है। इस्राइली सेना की रडार पर आने और जान बचाने के लिए डेइफ हर रात अलग-अलग घरों में रुकता है। वह अब हमास की सैन्य शाखा- अल कासिम ब्रिगेड के प्रभारी हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, 1996 में एक कुशल बम निर्माता की पहचान रखने वाले एल डेइफ, चार आत्मघाती हमलों का आरोपी है। येरूशलम और तेल अवीव में हुए इन हमलों में 65 लोग मारे गए थे। शांति प्रक्रिया को पटरी से उतारने के इरादे से किए गए अन्य हमलों के पीछे भी डेइफ का हाथ है।

बंधकों की रिहाई पर हमास के सैन्य प्रवक्ता का बयान

इस्राइली सेना की तैयारियों के बीच आतंकवादी समूह- हमास के सैन्य प्रवक्ता, अबू ओबैदा ने दावा किया कि उन्होंने गाजा में 200 से 250 लोगों को बंधक बना रखा है। टाइम्स ऑफ इस्राइल की रिपोर्ट के अनुसार, टीवी पर जारी बयान में हमास ने कहा कि लगभग 50 अन्य लोगों को संगठन के अन्य प्रतिरोधक गुटों ने दूसरी जगहों पर रखा है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, ओबेदा ने कहा कि विदेशी बंधक हमारे मेहमान हैं, और जब भी जमीनी स्तर पर स्थितियां अनुकूल होंगी, उन्हें सुरक्षित रिहा कर दिया जाएगा।

लगभग एक हजार अमेरिकियों ने इजराइल छोड़ा

वाशिंगटन,17 अक्टूबर 2023। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा है कि लगभग एक हजार अमेरिकी नागरिकों और उनके परिवार के सदस्यों ने इजराइल छोड़ दिया है।

प्रवक्ता ने कहा कि 13 अक्टूबर से, सरकार ने अमेरिकी नागरिकों और उनके परिवार के सदस्यों को हवाई और समुद्र रास्ते से स्वदेश लौटने की पेशकश की थी। प्रवक्ता ने कहा कि नागरिकों को ले जाने के लिए उड़ानें कम से कम गुरुवार तक इजराइल के बेन गुरियन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से जारी रहने की उम्मीद है।

प्रवक्ता ने बताया,हम वास्तविक समय के आधार पर इजराइल से प्रस्थान में सहायता के लिए अमेरिकी नागरिकों की मांग की निगरानी करना जारी रखेंगे। हम उन अमेरिकी नागरिकों से आग्रह करते हैं जो वापस स्वदेश लौटने के इच्छुक हैं।

प्रवक्ता के अनुसार, 3,000 से अधिक अतिरिक्त अमेरिकी नागरिकों ने कहा है कि वे व्यावसायिक हवाई मार्ग, भूमि सीमा या अन्य माध्यमों से इजराइल और वेस्ट बैंक से चले गए। इस बीच, गाजा में अमेरिकियों ने बताया कि उन्हें राफा क्रॉसिंग के माध्यम से मिस्र में प्रवेश करने में कोई परेशानी नहीं हुई।

ब्लॉक अध्यक्ष अभिषेक सोनी के नेतृत्व में सरगुजा विश्वविद्यालय को सौपा ज्ञापन

- संवाददाता -
उदयपुर, 17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

आज एनएसयूआई ब्लाक अंबिकापुर के द्वारा विश्वविद्यालय प्रबंधन को पूनमूल्यांकन एवं पुनर्गणना के परीक्षा परिणाम को जल्द से जल्द घोषित करने हेतु ज्ञापन सोपा गया अभिषेक ने बताया कि सरगुजा विश्वविद्यालय के अधिकांश छात्र इस वर्ष फेल हो गए हैं 2 महीने पहले ही परीक्षा परिणाम आ चुके थे जिसमें छात्रों ने पूनम मूल्यांकन तथा पुनर्गणना के फॉर्म भरा था आज 2 महीने बाद भी किसी भी विषय का पुनर्मूल्यांकन तथा पुनर्गणना के परीक्षा परिणाम घोषित नहीं किए गए हैं विश्वविद्यालय प्रशासन अपनी नाकामी को बार-बार छुपाते रही है जिसमें एनएसयूआई द्वारा जल्द से जल्द परीक्षा परिणाम घोषित नहीं किए जाने पर उग्र आंदोलन की बात कही है जिसमें मुख्य रूप से पूर्व जिला महासचिव आकाश यादव,प्रिंस सोनी ,शैलेंद्र ,काजल गुप्ता ,साक्षी ठाकुर,उमेश्वर गुर्जर ,आदि एनएसयूआई के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता उपस्थित हुए.

भक्ति भाव में सराबोर हुये उदयपुरवासी

» आचार संहिता का पालन करते हुए मनाया जा रहा दुर्गोत्सव

- संवाददाता -
उदयपुर,17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

स्थानीय शिव मंदिर प्रांगण सहित विकासखंड उदयपुर के विभिन्न ग्रामों में पूरे धूमधाम से दुर्गा उत्सव मनाया जा रहा है। 15 अक्टूबर से नवरात्र प्रारंभ होने के दिन शिवमन्दिर प्रांगण में कलश और मूर्ति स्थापना कर पूजा अर्चना आरंभ किया गया। सुबह और शाम होने वाली आरती में महिलाओं और बच्चों सहित नौजवान व बुजुर्ग भी शामिल हो रहे है। पूजा अर्चना के बाद मातृ शक्तियों द्वारा माता की मूर्ति के समक्ष गरबा नृत्य प्रस्तुत किया जा रहा है। सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति द्वारा छोटे बालक बालिकाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

शाम को होने वाली आरती और गरबा के कार्यक्रम में महिलाएं उत्साह पूर्वक काफी संख्या में भाग ले रही हैं।

केदमा में कलश यात्रा में 250 से अधिक की संख्या में महिलाएं व बालिकाएं शामिल हुई है । यहां भी नवरात्रि का उत्साह देखने लायक है। इसके अतिरिक्त डांडगांव सलका खमरिया घाटबर्रा आदि जगहों पर धूमधाम से नवरात्रि मनाई जा रही है।

आचार संहिता का हो रहा पालन

विधानसभा चुनाव को महज एक माह बचे हैं आचार संहिता लगी हुई है इसे देखते हुए प्रशासन द्वारा काफी कुछ पाबंदियां लागू हुई की गई है जिनका कड़ाई से शासन द्वारा पालन कराया जा रहा है 70 डेसीबल तक के साउंड सिस्टम का उपयोग दुर्गा पूजा समितियों द्वारा किया जा रहा है।

इस बारे में चर्चा के दौरान थाना प्रभारी आशीष सिंह ने बताया दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों को आचार संहिता का कड़ाई से पालन के संबंध में जानकारी दी गई है। तेज आवाज वाले डीजे पर प्रतिबंध लगाया गया है। सार्वजनिक मंच का राजनैतिक इस्तेमाल नहीं करने की समझाइश लोगों को दी गई है।

हाथियों की वजह से ग्रामीणों को करना पड़ रहा रतजगा

» छोटे बच्चों-बुजुर्ग और महिलाओं को लेकर अलाव के नीचे बीता रहे ग्रामीण रात

- संवाददाता -
उदयपुर,17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

विगत सात सितंबर से ग्यारह हाथियों का दल उदयपुर वन परिक्षेत्र में अपनी पैठ बनाए हुए है। अभी तक हाथियों द्वारा सैकड़ो किसानों की धान व मक्का के फसलों बर्बाद किया जा चुका है तथा महुआ टिकरा के जंगल में एक व्यक्ति को मौत के घाट उतार चुका है।

हाथी सोमवार को पतरापारा से जंगल किनारे होते हुए पूटा बेलढाब शरमा गांव पहुंच गए वन अमला की टीम लगातार इनकी निगरानी में 24 घंटे लगा हुआ है ।

हाथियों का मूवमेंट जिधर होता है संभावित ग्राम के लोगों को वन अमला द्वारा गजराज वाहन के माध्यम से मुनादी करा कर तथा माइक के माध्यम से लोगों को हाथियों से बचने की सलाह दी जाती है ।

जंगल किनारे रहने वाले ग्रामीणों को पक्के के

मकान या गांव के बीच सुरक्षित स्थान में एक जगह पर आग जलाकर रहने की समझाइए दी जाती है ।

प्रभावित ग्राम के लोग छोटे बच्चे बुजुर्गो महिलाओं को लेकर अलाव के सहारे घर से बाहर रात बिताने को मजबूर हैं। लोगों के पास साधन नही होने पर कई बार वन अमला की टीम ने अपने वाहन से ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया है।

कुछ लोग फोटो वीडियो खींचने के चक्कर में लोग हाथियों के काफी नजदीक पहुंच जाते है। इससे कई बार काफी भयावह स्थिति बन जाती है।

ग्यारह हाथियों का दल अभी बासेन से परोगिया जंगल में खदान क्षेत्र के बिलकुल नजदीक विचरण कर रहे है।

वन अमला प्रशिक्षु डीएफओ सह प्रभारी रेंजर अक्षय भोसले, रेंजर गजेंद्र दोहरे, वनपाल, चंद्रभान, परमेश्वर, शशिकांत सिंह, वनरक्षक दिनेश तिवारी नंदलाल, ऋषि रवि, प्रवीण शर्मा, धनेश्वर, बसंत भरत सहित अन्य स्टाफ दो पालियों में 24 घंटे इन हाथियों की निगरानी में लगे हुए है।

पेंशनरों हेतु समाधान शिविर

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सहायक शाखा प्रबंधक से मोबाइल से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के किसी भी शाखा से पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनरों के समस्या के समाधान हेतु एक शिविर दिनांक 19.10.2023 दिन गुरुवार को संध्या 4.30 बजे से खरसिया रोड स्थित बसंत टाकीज के सामने होटल मयूरा में रखा गया है। सभी पेंशनर्स साथियों से आग्रह है अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्या का समाधान कराते हुए शिविर का लाभ उठाएं। शिविर में भारतीय स्टेट बैंक के रायपुर से पेंशन प्रभारी भी उपस्थित रहेंगे। इस आशय की जानकारी प्रदीप सोनी प्रदेश सचिव भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ ने दी।

क्या बैकुंठपुर विधानसभा से कांग्रेस की लगभग तय हो चुकी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने

पटना क्षेत्र में बिहारीलाल राजवाड़े ने अकेले सम्हाला मोर्चा ?

जीत की रणनीति बनाने लगा रहे हैं पूरा जोर,नहीं छोड़ रहे कोई कोर-कसर

भाजपा प्रत्याशी के जातिगत जनाधार को साधने साहू समाज को कांग्रेस के पक्ष में लाने भी सम्हाल रहे जिम्माःसूत्र

साहू समाज की पिछली नाराजगी को बनाने की तैयारी में हैं मुद्दा,पिछली नाराजगी साहू समाज की जगी तो भाजपा प्रत्याशी को होगा नुकसान

क्या साहू समाज बिहारीलाल राजवाड़े के कहने पर कांग्रेस पार्टी का देगा साथ?

पटना क्षेत्र में कांग्रेस लगभग तय प्रत्याशी फिलहाल पिछड़ती नजर आने लगीं,भाजपा प्रत्याशी क्षेत्र में निकले आगे

क्या अकेले बिहारीलाल राजवाड़े के भरोसे कांग्रेस की लगभग तय प्रत्याशी पटना क्षेत्र में बना पाएंगी बढ़त ?

बिहारीलाल राजवाड़े के भी राजनीतिक भविष्य से जुड़ा हुआ है यह विधानसभा चुनाव

क्या बिहारीलाल राजवाड़े के लिए यह चुनाव बड़ी चुनौती पूर्ण है ?

बिहारीलाल राजवाड़े के लिए भी माना जाता है की यह चुनाव बड़ी चुनौती है वहीं उनके लिए यह चुनाव उनका पूरा राजनीतिक भविष्य तय करेगा क्योंकि उन्होंने विधायक को क्षेत्र के बढ़त दिलाने की ठानी है वहीं यदि वह ऐसा कर पाते हैं तो वह अपना जनाधार भी साबित कर पाएंगे जो उनके लिए भविष्य में पार्टी के हिसाब से काम आएगा वहीं यदि वह ऐसा नहीं कर पाते उनका राजनीतिक जीवन बुरी तरह प्रभावित होगा जनाधार विहीन नेताओं में उनकी गिनती शुरू हो जाएगी जो उनके राजनीतिक भविष्य के लिए अच्छा नहीं होगा। कांग्रेस प्रत्याशी की जीत उन्हे हो सकता है आगे पार्टी से प्रत्याशी बनने का मौका दे वहीं हार उन्हे कभी प्रत्याशी नहीं बनने का बुरा परिणाम इसी चुनाव में दे देगी ऐसा माना जा रहा है लेकिन वह जिस तरह लगे हुए हैं मेहनत कर रहे हैं उन्हे देखकर लोगों का भी कहना है की उनकी मेहनत उनके खुद के पिछ्ले चुनाव में किए गए मेहनत से ज्यादा है और वह अत्यधिक मेहनत कर रहे हैं। बिहारीलाल राजवाड़े कांग्रेस की लगभग तय प्रत्याशी के लिए हर तरह से जीत सुनिश्चित करने के प्रयास में लगे हैं और वह हर वह प्रयास करते देखे जा रहे हैं जिससे प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित हो सके।

क्या भाजपा प्रत्याशी के जातिगत जनाधार का भी काट ढूंढ रहे हैं ?

इसी बीच ऐसी भी खबर सूत्रों के हवाले से आ रही है की बिहारीलाल राजवाड़े भाजपा प्रत्याशी के जातिगत जनाधार का भी काट ढूंढ रहे हैं जो भाजपा प्रत्याशी की पहली बड़ी बढ़त होगी चुनाव में उसके लिए वह अब पिछ्ले चुनाव से पहले नाराज हुए भाजपा प्रत्याशी से साहू समाज को फिर से उनकी नाराजगी याद दिलाने के जुगाड में हैं और जल्द ही वह इसको लेकर कुछ प्रयास सार्थक करते नजर आने वाले हैं।माना जा रहा है की भाजपा प्रत्याशी की पिछ्ली हार साहू समाज की नाराजगी के कारण हुई थी और उस नाराजगी को ताजा करने का जिम्मा बिहारीलाल राजवाड़े ने लिया है। वैसे साहू समाज की नाराजगी यदि बिहारीलाल राजवाड़े जगा पाए वह निश्चित रूप से भाजपा प्रत्याशी की पहली जातिगत बढ़त चुनाव की कांग्रेस प्रत्याशी के लिए बराबर कर पाएंगे और यह यदि हो पाया यह कांग्रेस प्रत्याशी के हिसाब से बड़ी कामयाबी होगी। वैसे देखना यह भी है की साहू समाज फिर से भाजपा प्रत्याशी का विरोध करता है जबकि पिछ्ले विरोध के बावजूद भाजपा प्रत्याशी की हार तय करने के बाद भी साहु समाज को वह महत्व वर्तमान सरकार के कार्यकाल में विधानसभा में नहीं मिला जो उसको मिलना था देखा जाए तो साहू समाज किसी महत्वपूर्ण पद तक नहीं पहुंच पाया जिले सहित विधानसभा से जबकि पूर्व भाजपा विधायक पूर्व मंत्री सहित भाजपा के कार्यकाल में साहू समाज को प्रदेश स्तर पर विधानसभा से पद प्रदान किया गया था और समाज से प्रतिनिधित्व करने का प्रदेश स्तर पर मौका दिया गया था।

क्या साहू समाज सत्ताधारी दल के लिए सबसे महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो सकती है ?

वर्तमान सरकार के कार्यकाल में विधायक बैकुंठपुर के कार्यकाल में साहू समाज जहां पहले था वहीं नजर आया यह कहीं एहसाह वह नहीं कर पाया की उसकी मदद से सरकार बन पाई या विधायक ही जीतकर आई। साहू समाज फिलहाल सत्ताधारी दल के लिए सबसे महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो सकती है क्योंकि यही वह समाज है जिसका जनाधार भाजपा प्रत्याशी के जातिगत जनाधार के या तो बराबर है या उसके आसपास है। वैसे माना यह जा रहा है की साहू समाज इस बार अलग ही मानसिकता के साथ चुनाव में अपनी भागीदारी निभाने आगे आएगा वह किसी के बहकावे में नहीं आएगा वह सोच समझकर निर्णय लेगा,किसी की अपनी महत्वाकांक्षा के लिए वह अपने समाज का मत बर्बाद नहीं करेगा और यदि ऐसा होता है या यह अनुमान सही है तो यह कांग्रेस प्रत्याशी के लिए अच्छी खबर नहीं है वहीं यह साहू समाज के पुराने आक्रोश को भाजपा प्रत्याशी के प्रति जगाने की कोशिश कर रहे बिहारीलाल राजवाड़े के लिए भी अच्छी खबर नहीं है क्योंकि साहू समाज इस बार अपने निर्णय के साथ आगे बढ़ने वाला है किसी अन्य की दखलंदाजी वह अपने सामाजिक मत क्षेत्र में स्वीकार नहीं करेगा ऐसा बताया जा रहा है।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,17 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

बैकुंठपुर विधानसभा से कांग्रेस पार्टी अपना उम्मीदवार वर्तमान विधायक को ही बनाएगी यह लगभग तय माना जा रहा है,कांग्रेस की लगभग तय प्रत्याशी का लगातार जारी प्रचार प्रसार भी इसकी पुष्टि करता है की उन्हे संकेत मिल चुका है और वह निश्चित रूप से प्रत्याशी होंगी इस विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी से वहीं अब उन्हे क्षेत्र में भ्रमण के दौरान अपने लिए समर्थन मांगते देखा जा रहा है और वह पूरी सिद्दत से अपना प्रचार कर रही हैं लेकिन उन्हे प्रचार के दौरान वह समर्थन फिलहाल नहीं दिखते मिल रहा है जैसा उन्हे मिलना चाहिए जैसा समर्थन सरकार के कामकाज को लेकर उन्हे मिलना चाहिए यहां तक की उनके साथ कांग्रेस पार्टी के ही ज्यादातर नेता कार्यकर्ता नजर नहीं आ रहे हैं और उनका काफिला लगातार छोटा नजर आता जा रहा है।

बात पटना क्षेत्र की यदि की जाए तो पटना क्षेत्र में उन्हे ज्यादा संघर्ष करते देखा जा रहा है एक तरफ इस क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी का जातिगत जनाधार काफी मजबूत है वहीं इस क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी के पिछले कार्यकाल की उपलब्धियां भी उनकी मदद कर रही हैं जो कहीं न कहीं उन्हे कांग्रेस प्रत्याशी से आगे बनाए हुए है। पटना क्षेत्र जिसे राजनीति की भाषा में पटना चौरासी क्षेत्र भी कहा जाता है इस क्षेत्र में कांग्रेस विधायक के साथ एक ही कांग्रेस नेता ज्यादा मेहनत करते नजर आ रहे हैं ,यह नेता हैं बिहारीलाल राजवाड़े जो फिलहाल पूरे क्षेत्र में अकेले ही कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं उन्हे जीत दिलाने का प्रयास कर रहे हैं। पटना क्षेत्र में शेष कांग्रेसी नेता कांग्रेस संगठन विभिन्न मोर्चा विभिन्न विभाग कांग्रेस पार्टी का मौन धारण कर बैठा है वहीं उनका मौन ऐसा है जैसे उन्हे न तो चुनाव की चिंता है न जीत हार की फिक्र, कुल मिलाकर ऐसा लग रहा है उनके लिए न तो कोई चुनाव है न पार्टी की जीत हार से ही उन्हे मतलब है,क्षेत्र में बिहारीलाल राजवाड़े ही एकमात्र नेता है

कांग्रेस में जिन्हे जीत की चिंता है और वह इसके लिए अकेले डटे हुए हैं।

साहू समाज को लेकर बिहारीलाल राजवाड़े का कांग्रेस की लगभग तय प्रत्याशी के लिए किया जा रहा प्रयास शायद ही सफल हो-सूत्र

साहू समाज ने पिछले चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के विरुद्ध जाकर मतदान किया था ऐसा माना जाता है,उसके पीछे के कारण को लेकर यह बात मानी जाती है की ऐन पिछले विधानसभा चुनाव से कुछ दिन पूर्व ही उस समय के भाजपा प्रत्याशी जो भाजपा से ही विधायक थे मंत्री थे ने साहू समाज को लेकर गलत टिप्पणी की थी जो साहू समाज को उनके खिलाफ ले जाने का कारण बना था,इस चुनाव में भी भाजपा ने पिछ्ले प्रत्याशी को ही विधानसभा बैकुंठपुर से मौका दिया है,साहू समाज की नाराजगी पिछ्ली कितनी है भाजपा प्रत्याशी को लेकर यह अभी सही तरीके से स्पष्ट भी नहीं है। वैसे कांग्रेस से लगभग तय प्रत्याशी के लिए बिहारीलाल राजवाड़े साहू समाज को साधने में लगे हुए हैं,वह समाज को भाजपा प्रत्याशी का वह कारनामा याद दिलाने की कोशिश कर रहे हैं जिसमे उन्होंने मंत्री रहते समाज के लिए कुछ गलत कहा था,वैसे साहू समाज इस बार पिछ्ली बार की तरह गलती करने के विचार में नहीं है ऐसा बताया जा रहा है ऐसे में कहा जा सकता है की बिहारीलाल राजवाड़े का प्रयास शायद ही सफल हो क्योंकि साहू समाज खुद से ही निर्णय लेकर जो कुछ भी करना होगा करेगा।

साहू समाज को वर्तमान विधायक के कार्यकाल व सरकार के कार्यकाल में नहीं मिला विधानसभा से ऐसा कोई अवसर क्या इस के बावजूद विधायक के पक्ष में दिखाएं अपना समर्थन ?

साहू समाज वर्तमान सरकार के कार्यकाल में वर्तमान विधायक के कार्यकाल में ऐसा कोई अवसर नहीं प्राप्त कर सका बैकुंठपुर विधानसभा में जो वह सामाजिक तौर पर अपनी संख्या के आधार पर निर्णायक होने के आधार पर रखता था। इसलिए यह माना जा रहा है की वह शायद ही वर्तमान विधायक के समर्थन में जायेगा। साहू समाज को उम्मीद थी की समाज से किसी सदस्य को विधानसभा क्षेत्र के किसी सदस्य को कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी जो पांच सालों में नहीं मिली इसलिए उसका समर्थन वर्तमान विधायक या सरकार के तरफ बैकुंठपुर विधानसभा में जायेगा लगता नहीं।

कांग्रेस की लगभग तय प्रत्याशी के लिए साहू समाज ही हो सकता है उनके लिए उनकी जीत के असल मददगार,बिहारीलाल ने यही भांपकर साहू समाज को साधने की है तैयारी

बैकुंठपुर विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी का अपना जातिगत जनाधार काफी तगड़ा है,जातिगत जनाधार की वजह से ही उनको लेकर प्रारंभिक चुनाव परिणाम उनके पक्ष में माना जा रहा है,भाजपा प्रत्याशी के विरुद्ध यदि कांग्रेस प्रत्याशी को टक्कर में रहना है तो साहू समाज को विधानसभा में साधना होगा यही समाज एकमात्र सहारा हो सकता है कांग्रेस की लगभग तय प्रत्याशी के लिए,साहू समाज यदि पूरी तरह कांग्रेस के पक्ष में जाता नजर आएगा तभी कांग्रेस प्रत्याशी टक्कर में नजर आएंगी यही बात बिहारीलाल राजवाड़े भांप चुके हैं और वह साहू समाज को किसी भी तरह साधने में लगे हुए हैं।

कांग्रेस संगठन फिलहाल बिखरा नजर आ रहा है बैकुंठपुर विधानसभा में,एकजुटता सहित प्रयास करते केवल नजर आ रहे हैं बिहारीलाल राजवाड़े

बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस संगठन कार्यकर्ता फिलहाल बिखरे हुए नजर आ रहे हैं,एक दो को छोड़ दें तो विधायक वहीं विधायक की संभावित प्रत्याशी के साथ कोई नजर नही आ रहा है। विधानसभा में सबसे सक्रिय यदि कोई नजर आ रहा है वह बिहारीलाल राजवाड़े ही हैं जिन्हे जिनकी मेहनत देखकर लगता है की उन्हे विधानसभा में जीत की सबसे ज्यादा चिंता है शेष कार्यकर्ता अधिकांश मौन बैठे हैं शांत बैठे हैं जैसे फिलहाल उन्हे काम करने की जरूरत ही नहीं।

स्थानीय कार्यकर्ताओं के मुताबिक ठेकेदार राजाराम व पत्नी का राजवाड़े समाज में ही है जमकर है विरोध

पूर्व मंत्री के आशीर्वाद से सौ एकड़ जमीन के हुए मालिक व करोड़पति

फार्च्यूनर वाले ठेकेदार के निवास पर केंद्रीय मंत्री का हुआ स्वागत

पुरे पांच सालों तक कार्यकर्ताओं की सूध न लेने वाली ठेकेदार की धर्मपत्नी केन्द्रीय मंत्री के दौरे में दिखी साथ ?

ठेकेदार राजाराम व पूर्व जिपं उपाध्यक्ष ओमेश्वरी का क्षेत्र में नहीं है कोई वर्चस्व

जानकारी के अनुसार जिस ठेकेदार के निवास पर केंद्रीय मंत्री का आगमन हुआ उनका सोनहत क्षेत्र में कोई वर्चस्व नहीं है, यह उनके निवास स्थान पर आयोजित कार्यक्रम में भी देखने को मिला जहां हजारों की आबादी वाले गांव में पचास की संख्या में भी लोगों को ठेकेदार व उनकी पत्नी नहीं जूटा पाए मौके पर उपस्थित भीड़ में काफीले की भीड़ को छोड़ कर गांव के तीस से अधिक लोग उपस्थित नहीं थे जो उनके जनाधार को साबित करता है। वैसे बताया जाता है की पूर्व भाजपा शासनकाल में उक्त ठेकेदार द्वारा केवल ठेकेदारी की गई है पार्टी कार्यक्रमों से पार्टी की मजबूती से उसका कोई लेना देना नहीं रहा है न ही कार्यकर्ताओं को ही उसने कभी तव्वजो दिया है इसलिए उसके यहां संख्या कम नजर आई जब केंद्रीय राज्यमंत्री घर पहुंची।

संगठन कार्यकर्ताओं सहित राजवाड़े समाज व अन्य जनता में भी फूटा गुस्साःसूत्र

केन्द्रीय मंत्री के पुरे कार्यक्रम के दौरान जिस तरह से पूर्व जिपं उपाध्यक्ष ओमेश्वरी राजवाड़े भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह के साथ देखी गई,सूत्रों के अनुसार सोनहत मण्डल के सैकड़ों पदाधिकारी व कार्यकर्ता भारी नाराज हुए क्यों कि ओमेश्वरी राजवाड़े जब पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े के आशीर्वाद से टिकट पाकर भाजपा से चुनाव लड़कर बहुत मुश्किल से जीत पाई थी। सरकार भाजपा की थी तो ओमेश्वरी राजवाड़े जिपं की उपाध्यक्ष भी बनी लेकिन जनप्रतिनिधि के रूप में चुनी गई ओमेश्वरी क्षेत्र के लिए या समाज अर्वा विकास के क्षेत्र में कोई काम नहीं की इनकी उपलब्धि स्वयं की घर गाड़ी जमीन बनाने तक सीमित रही तथा पार्टी व कार्यकर्ताओं का भी कभी साथ नहीं दिया सिर्फ दो-चार चेले चपाटियों की बजाए, जबकि इनके पति राजाराम राजवाड़े जो कभी कंमाडर जैसी गाड़ी चलाते थे आज फार्च्यूनर जैसी महंगी गाड़ियों में घुमते है। इनके रैवए से अब क्षेत्र में राजवाड़े समाज के लोगों ने भी अपनी नाराज़गी जताई तो वहीं ओमेश्वरी राजवाड़े के केंद्रीय मंत्री भाजपा प्रत्याशी के साथ घुमने से क्षेत्र की जनता भी भारी गुस्से में देखी गई।

भाजपा प्रत्याशी की राह आसान नहीं

ऐसे में अगर भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह ने खराब छवि के लोगों, ठेकेदार किस्म के सत्ता की मलाई खाने वाले लोगों से दूरी नहीं बनाई तो भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ताओं से चुनाव से पहले दुरी बन जाऐगी, यह उनके लिए बड़ी चुनौती बन सकता है क्योंकि सक्रिय कार्यकर्ताओ ने विपक्ष की भूमिका में क्षेत्र में जिस तरह से बुथ से लेकर मण्डल तक के लोगों को संगठित कर संपर्क में रखा है समर्थन न मिलने पर राह कठिन हो सकती है।

-रवि सिंह-
कोरिया/सोनहत,17 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

गत दिवस भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र के सोनहत क्षेत्र में भाजपा की विधायक प्रत्याशी केन्द्रीय मंत्री रेणुका सिंह का आगमन हुआ, केन्द्रीय मंत्री के आगमन पर सोनहत के विभिन्न चौक चौराहे पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा फूल माला, पटाखों,व नगाड़े से भव्य स्वागत किया गया। रेणुका सिंह के आगमन पर कार्यकर्ताओं का उत्साह देखने लायक रहा वहीं युवा मोर्चा ने भी ताकत दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी और सैकड़ों की संख्या में बाईक की रैली निकाली, एक दिवसीय केन्द्रीय मंत्री के स्वागत कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने भाजपा की सदस्यता भी ली और स्वागत का कार्यक्रम देर रात तक सोनहत क्षेत्र में चला।परंतु अंतिम समय में केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह सोनहत में मसहूर ठेकेदार व पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े के संरक्षण में भाजपा के सरकार में लगभग सौ एकड़ जमीन के मालिक बने व क्षेत्र में जमकर ठेकेदारी करके करोड़ों कमाने वाले ईकलौते चहेते राजाराम राजवाड़े के निवास स्थान पुसला में पहुची। जहां उनका स्वागत किया गया।यह इस दौरे का पहला आयोजन रहा जिसमें केन्द्रीय मंत्री को किसी व्यक्ति के घर में जाना पड़ा। केंद्रीय मंत्री के वहां जाने मात्र से सोनहत क्षेत्र के कार्यकर्ता नाराज दिखे और उन्हे यह आभास होने लगा की फिर उन्हे उक्त ठेकदार के अधीन ही रहकर पार्टी का झंडा उठाना पड़ेगा वहीं उक्त ठेकेदार पूर्व मंत्री भईयालाल राजवाड़े जो बैकुंठपुर विधानसभा से प्रत्याशी हैं की सह पर उनके सहयोग से भरतपुर सोनहत क्षेत्र की भाजपा प्रत्याशी से जुड़ जायेगा और फिर कर्मठ कार्यकर्ताओं की अनदेखी चालू हो जायेगी और क्षेत्र में उसका ही दबदबा हो जाएगा। उक्त ठेकेदार के घर केंद्रीय मंत्री का जाना कार्यकर्ताओं को नागवार गुजरा और वह मायूस नजर आए।

विपक्षी कार्यकाल में गायब रहने वाले क्या सत्ता की मलाई के लिए हुए सक्रिय

सूत्रों की मानें तो केन्द्रीय मंत्री के दौरे में सबसे आगे रहने वाली ओमेश्वरी राजवाड़े व अपने निवास पर स्वागत करवाने वाले ठेकेदार राजाराम राजवाड़े जबसे भाजपा की सरकार गई तब से पार्टी व कार्यकर्ताओं के विपरीत समय में पुरे पांच सालों तक गायब रहे कभी किसी आयोजन के लिए कोई सहयोग नहीं किया, न ही किसी कार्यकर्ता का हाल चाल पूछा यहां तक कि सत्तारूढ़ पार्टी के गलत नीतियों के खिलाफ एक शब्द तक नहीं बोला और आज चुनाव के समय आते ही सीधे प्रत्याशी के करीबी बनकर घुमने लगे, कुछ कार्यकर्ताओं ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि जब पिछ्ले पांच सालों में पार्टी कोई धरना प्रदर्शन,या विरोध प्रदर्शन करती थी या किसी भाजपा कार्यकर्ता के साथ सत्ता दल के लोग अत्याचार व परेशान करते थे तब कभी इन मलाई खाने वाले लोगों ने अपनी सक्रियता नहीं दिखाई और न ही कभी कांग्रेसी विधायक का विरोध किया लेकिन आज फोटो खिंचवाने आगे आ गये और जिन कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस से दुश्मनी ली, सरकार के गलत नीतियों का विरोध किया, विधायक के टारगेट में रहे वो सक्रिय लोग किनारे हो गये।

सबसे बड़ा सवाल क्या पूर्व मंत्री भईयालाल ने अपने चहेते ठेकेदार को सत्ता की मलाई खाने फिर चली है चाल ?

सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि जब तक भईयालाल राजवाड़े विधायक और मंत्री रहे तब तक कभी पार्टी का झंडा न उठाने वाले चहेते व्यक्ति को जमकर मलाई खिलाया ऐसे में फिर से पूर्व मंत्री भईयालाल कोई अपनी नई चाल तो नहीं चल रहे यह सवाल कार्यकर्ताओं के अंदर भी है क्योंकि उन्हें इस बात का डर है कि सारी दुश्मनी, और लड़ाई कांग्रेसियों से उन्होंने लड़ी अब जिस तरह से पूर्व में होता रहा फिर तो वहीं न हो जाए कि भाजपा सरकार आते ही रेणुका सिंह के चुनाव जीतते ही सोनहत में फिर से सत्ता के मलाई खाने वाले ठेकेदार राजाराम व ओमेश्वरी राजवाड़े मालिक न बन जाए नहीं तो आम कार्यकर्ता हाशिए पर चले जाएंगे और चापलूसी करने वाले मौज उड़ायेंगे।

CMYK

क्या प्रेमनगर विधानसभा के कार्यकर्ताओं ने संभाला भरतपुर-सोनहत विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी के लिए मोर्चा?

प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी भूलन सिंह मरावी पड़े अकेले,अकेले वह क्या करेंगे खड़ा हुआ सवाल?

केंद्रीय राज्य मंत्री व सरगुजा सांसद को जीत दिलाने प्रेमनगर विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ता सहित राज्य के कई जिले से बुलाए गए भाजपा कार्यकर्ता

केंद्रीय मंत्री को भरतपुर सोनहत विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने के बाद गुलाब कमरों की भी बढ़ी मुसीबत

भरतपुर सोनहत विधानसभा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह को पैराशूट समझना कहीं उनकी भूल न साबित हो जाए?

पूर्व सहयोगी के करीब आने का विरोध सोशल मीडिया में भी... आपस में विरोध दर्ज कर रहे हैं प्रेमनगर क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता

केंद्रीय मंत्री के पूर्व सहयोगी का फिर से केंद्रीय मंत्री के साथ नजर आना प्रेमनगर क्षेत्र के ही भाजपा कार्यकर्ताओं को पसंद नहीं है स्वीकार नहीं है,अब इसको लेकर भाजपा प्रेमनगर विधानसभा के कार्यकर्ता सोशल मिडिया में आपस में ही विरोध दर्ज कर रहे हैं जिसकी भी जानकारी मिल रही है।

केंद्रीय राज्यमंत्री को पैराशूट प्रत्याशी समझना पड़ सकता है भारी

भरतपुर सोनहत क्षेत्र से भाजपा ने सरगुजा सांसद केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया है कांग्रेस उन्हे पैराशूट प्रत्याशी बताकर अपना प्रचार कर रही है,वैसे रेणुका सिंह का कार्यकाल देखने वालों का कहना है की रेणुका सिंह को यदि पैराशूट समझने की भूल कांग्रेस ने की तो यह उसके लिए बड़ी भूल साबित हो सकती है क्योंकि उनका काम करने का अंदाज लोगों से क्षेत्र से जुड़ाव रखने का अंदाज बिल्कुल अलग है,वह जहां भी चुनाव लड़ती हैं उस क्षेत्र में वह अपनी पूरी उपस्थिति दर्ज करती हैं,जगह जगह वह विधायक कार्यालय का निर्माण कराकर लोगों से सीधा जुड़ाव बनाने का प्रयास करती हैं,उनको जानने वालों का कहना है की प्रेमनगर क्षेत्र से विधायक रहते हुए उन्होंने क्षेत्र के हर उस जगह विधायक निवास का निर्माण कराया जहां जाना या रुक पाना संभव नहीं हो पाता था और वह ऐसा इसलिए करती थीं की जब वह क्षेत्र में जाएं इत्मीनान से लोगों से मिल सकें और उनके साथ समय बिता सकें वह पैराशूट साबित नहीं होंगी यह तय है यह उनको जानने वालों का कहना है।

अपने पूर्व सहयोगी को करना हिला दूर,प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्यासी का भी रखना होगा ध्यान

केंद्रीय राज्यमंत्री को उनके समर्थक यह सलाह दे रहे हैं की पहले तो वह प्रेमनगर क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रेमनगर वापस भेजें जिससे प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी भुलन सिंह मरावी का प्रचार प्रसार कार्यकर्ता कर सकें उनकी जीत सुनिश्चित कर सकें वहीं कार्यकर्ता यह भी चाहते हैं की वह अपने पूर्व सहयोगी को दूर करें जिससे अन्य कार्यकर्ताओं को दिक्कत न हो जो होती दिख रही है।

भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र में चुनाव होगा रोचक होगी जबरदस्त टक्कर यह तय नजर आने लगा

भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र में चुनाव रोचक होने जा रहा है टक्कर जबरदस्त होने वाली है भाजपा कांग्रेस प्रत्याशियों के बीच यह तय नजर आ रहा है। भरतपुर सोनहत क्षेत्र के मतदाता निवासी इस बार विधानसभा चुनाव का पूरा लुफ्त उठा सकेंगे इस क्षेत्र में प्रदेश का सबसे कठिन मुकाबला नजर आएगा यह भी तय है,केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह का चुनाव लड़ना और उनका पहला दौरा बताता है की वह पूरे उत्साह से अपने ही अंदाज में चुनाव लड़ेंगी,वह चुनाव हर हाल में जितने का प्रयास करेंगी और वह ऐसा संभव भी कर सकती हैं क्योंकि वह चुनाव गंभीरता से लड़ने में माहिर हैं वहीं वह चुनाव मामले में काफी अनुभवी हैं जिस मामले में कांग्रेस प्रत्याशी फिलहाल उतने अनुभवी नहीं हैं। क्षेत्र के लोग भी एक अच्छा टक्कर वाला चुनाव देखने जा रहे हैं जो उन्हे वर्षों तक याद भी रहने वाला है।

-रवि सिंह-
भरतपुर/सोनहत,17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

भाजपा ने इस बार के विधानसभा चुनाव में अपने लोकसभा सांसदों को भी विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा है और लोकसभा सांसदों के विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाए जाने से इस बार का विधानसभा चुनाव काफी रोचक होने वाला है ऐसा माना जा रहा है। भाजपा ने अपने केंद्रीय मंत्रियों को केंद्रीय राज्यमत्रियों को भी मैदान में उतारा है,भाजपा के द्वारा विधानसभा चुनाव में उतारे गए सांसदों सहित केंद्रीय मंत्रियों एवम राज्यमंत्रियों में से एक केंद्रीय राज्यमंत्री छत्तीसगढ़ राज्य से भी हैं जिन्हें भाजपा ने छत्तीसगढ़ के विधानसभा क्रमांक 1 भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया है,केंद्रीय राज्यमंत्री सरगुजा सांसद रेणुका सिंह को भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी घोषित करके भाजपा ने यह भी साबित कर दिया है की वह हर हाल में छत्तीसगढ़ में सत्ता वापसी का प्रयास कर रही है और इसके लिए वह मजबूत से मजबूत प्रत्याशी हर विधानसभा में उतारने जा रही है और जिसको लेकर पार्टी ने सभी सर्वे करा लिए हैं और वह हर उस जिताऊ उम्मीदवार पर ही दांव लगा रही है जिसके जितने की संभावना सबसे अधिक है।

केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह को भरतपुर सोनहत क्षेत्र से प्रत्याशी बनाए जाने को लेकर भाजपा की जो मंशा है उसको यदि समझने का प्रयास किया जाए तो सरगुजा सांसद केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह का मायका कोरिया जिले में है जो क्षेत्र से जुड़ाव साबित करने में कारगर साबित होगी वहीं रेणुका सिंह के समाजिक जातिगत आधार को भी उनके लिए आधार माना गया है ऐसा माना जाता है और भरतपुर सोनहत क्षेत्र में उनके जाति समाज की आबादी निर्णायक है जिसे वह साध सकती हैं ऐसा भाजपा का अनुमान है वहीं महिला प्रत्याशी होने का भी फायदा उन्हे मिलेगा यह भी पार्टी विचार में रखकर निर्णय ले पाई है ऐसा माना जा रहा है,रेणुका सिंह का चुनाव लड़ने का तरीका भी सभी जानते हैं और यह माना जाता है की वह चुनाव में खुद पर कभी तनाव नहीं लेती हैं वह विरोधी प्रत्याशी को चुनाव प्रचार के दौरान पछाड़ने की हर युक्ति जानती हैं इसलिए भी उन्हे भरतपुर सोनहत क्षेत्र के लिए भाजपा ने चुना है। आज तक के जितने भी चुनाव उन्होंने लड़ा है उनमें वह पूरी दमदारी से उतरती हैं वह अंतिम समय और अवसर तक अपने जीत के लिए प्रयास करती हैं यह भी उनके भरतपुर सोनहत क्षेत्र से प्रत्याशी बनाए जाने के पीछे की मुख्य वजह है,कार्यकर्ताओं की फौज वह खड़ी करने में माहिर राजनीतिज्ञ हैं वहीं वह धुंआधार प्रचार करने में भी माहिर हैं।

रेणुका सिंह ने भरतपुर सोनहत क्षेत्र में अपने पहले प्रचार अभियान से बता दिया की कांग्रेस प्रत्याशी के सामने कमजोर साबित होने वाली नहीं हैं...

रेणुका सिंह ने भरतपुर सोनहत क्षेत्र में अपने पहले प्रचार अभियान में पहुंचते ही यह जता दिया है की वह किसी भी हाल में कांग्रेस के प्रत्याशी के सामने कमजोर साबित होने वाली नहीं हैं वह डटकर लड़ेंगी चुनाव और जीत उनका लक्ष्य है। भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र में उनका पहला कार्यक्रम सोनहत क्षेत्र में हुआ जहां उनका जोरदार स्वागत हुआ इस दौरान उनके साथ सोनहत के भाजपा कार्यकर्ता पहले प्रचार के दौरान कम मौजूद नजर आए लेकिन उनके साथ प्रेमनगर विधानसभा सहित प्रदेश के अन्य जगहों के कार्यकर्ता ज्यादा नजर आए जिन्होंने उनके प्रथम आगमन को ऐतिहासिक और सफल बना दिया। बैकुंठपुर के भी कार्यकर्ता भाजपा के इस दौरान मौजूद रहे। केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह का प्रथम भरतपुर सोनहत विधानसभा आगमन कुछ मामलों में विवादों में भी रहा जिसमे एक मामला उन्हे जिला निर्वाचन अधिकारी का नोटिस मिलने का है वहीं अलग अलग मामलों में उनके आगमन को लेकर कई बातें अब सामने आ रही हैं जो कहीं न कहीं भाजपा के लिए दिक्कत का भी सबब हो सकती है।

प्रेमनगर विधानसभा में भाजपा कार्यकर्ताओं का अकाल सा पड़ गया है...

बताया जा रहा है की केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह अपने साथ प्रेमनगर विधानसभा से अधिकांश भाजपा कार्यकर्ताओं को भरतपुर सोनहत क्षेत्र में प्रचार के लिए लेकर पहुंच गई हैं जिससे प्रेमनगर विधानसभा में भाजपा कार्यकर्ताओं का अकाल सा पड़ गया है भाजपा प्रत्याशी भुलन सिंह मरावी अकेले पड़ गए हैं अपने विधानसभा क्षेत्र में वहीं उनके साथ उनके पुराने कभी सहयोगी रहे शशि तिवारी नाम के शख्स की भी उपस्थिति देखी गई जिससे प्रेमनगर के ही भाजपा कार्यकर्ता नाराज दिखे और कुछ गाडियां रास्ते से ही लौट आई। पूर्व सहयोगी को लेकर बताया जाता है की कभी खास रहे पूर्व सहयोगी को कुछ दिनो तक केंद्रीय राज्यमंत्री ने खुद से अलग कर दिया था और इसकी वजह कार्यकर्ता ही थे जिन्हे वह पसंद नहीं थे वहीं अब उनकी पुनः वापसी कार्यकर्ताओं को ही पसन्द नहीं इसलिए वह अब खुद ही किनारे होने लगे हैं जो केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह के लिए सही संकेत नहीं है। यह पूरा मामला सोशल मीडिया में कार्यकर्ताओं द्वारा प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के चलाया जा रहा है जिसमे प्रतिक्रिया भी अच्छी नहीं आ रही है।

प्रेमनगर सहित प्रदेश भर से भाजपा कार्यकर्ता केंद्रीय राज्यमंत्री के समर्थक पहुंच रहे भरतपुर सोनहत विधानसभा,प्रेमनगर भाजपा प्रत्याशी कार्यकर्ता विहीन नजर आने लगे

केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह के प्रचार के लिए प्रेमनगर विधानसभा सहित प्रदेशभर के कई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा कार्यकर्ता भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र में पहुंच रहे हैं अन्य समर्थक भी उनके पहुंच रहे हैं वहीं बताया जा रहा है की प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा कार्यकर्ताओं का भरतपुर सोनहत क्षेत्र में प्रचार के लिए पहुंचने से प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी की मुश्किल बढ़ गई है और वह अकेले हो गए हैं,अपने निवास क्षेत्र से रेणुका सिंह ने अत्यधिक भाजपा कार्यकर्ताओ को अपने निर्वाचन क्षेत्र में झोंक दिया है जो प्रेमनगर क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी भुलन सिंह मरावी के लिए मुश्किल खड़ा करने वाला मामला बन गया है,इसकी चर्चा प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं के सोशल मीडिया समूह में भी जारी है और इसको लेकर वहां के लोग चिंतित हैं।

पूर्व सहयोगी के सोनहत क्षेत्र में दिखते ही केंद्रीय राज्यमंत्री के लिए प्रचार करने पहुंचे प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के कई गाड़ी भाजपा कार्यकर्ता वापस लौटे

केंद्रीय राज्यमंत्री के लिए प्रचार करने कई गाड़ी भाजपा कार्यकर्ता जब भरतपुर सोनहत क्षेत्र के सोनहत क्षेत्र पहुंचे तो उन्होंने देखा कि वहां केंद्रीय राज्यमंत्री के साथ उनके वह पुराने सहयोगी मौजूद हैं जिन्हे केंद्रीय राज्यमंत्री ने खुद से दूर कर रखा था,पूर्व सहयोगी जिसे प्रेमनगर के भाजपा कार्यकर्ता पसंद नहीं करते उसकी मौजूदगी भाजपा प्रेमनगर कार्यकर्ताओं को नागवार गुजरी और उन्होंने सोनहत क्षेत्र से ही अपनी गाड़ी वापस मोड़ ली और लौट गए प्रेमनगर ऐसा बताया जा रहा है,बताया जा रहा है की पूर्व सहयोगी को लेकर प्रेमनगर के भाजपा कार्यकर्ताओं में स्वीकार्यता नहीं हैं इसलिए वह लौट गए उसके विरोध में।

10 लाख से अधिक अवैध धन पाए जाने पर तत्काल जब्ती की होगी कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

जिले में विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2023 को निष्पक्ष एवं पारदर्शिता से संपन्न कराने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार के निर्देशन में कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती सीमा पात्रे की उपस्थिति में पुलिस, आयकर सहित अन्य विभागों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, जिला परिवहन अधिकारी शशिकांत कुर्रे , आयकर, रेल्वे, लीड बैंक मैनेजर सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया कि आदर्श आचार संहिता के दौरान जिले में अवैध धन की जब्ती हेतु आवश्यक कार्यवाही करें। जिले में निर्मित सभी बैरियर, चेकपोस्ट पर तैनात स्थैतिक निगरानी दल द्वारा आने-जाने वाली सभी गाड़ियों की मुस्तैदी से जांच करें। इस हेतु सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की बात कही गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले में उड़नदस्ता दल, स्थैतिक निगरानी दल द्वारा जांच में किसी व्यक्ति से नगदी दस लाख रुपये जब्त होने पर तत्काल इसकी जब्ती कर आयकर विभाग के अधिकारियों को सूचना दी जायेगी। आयकर विभाग के अधिकृत अधिकारी जब्त रुपये सहित अन्य सामग्रियों की जांच करेंगे। एफआईआर दर्ज के साथ जब्त रुपये, आभूषण के संबंध में दस्तावेजों की जांच के उपरांत ही आगे की कार्यवाही की जायेगी। इस हेतु आयकर विभाग को अवैध धन की जब्ती के लिए प्रभावी कार्य योजना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि जब्ती की कार्यवाही से बचने के लिए संबंधितों को रुपये एवं अन्य सामग्रियों से संबंधित आवश्यक सभी दस्तावेज अपने साथ रखना आवश्यक है। इसी प्रकार बैठक में रेलवे पुलिस बल को भी यात्रियों की गंभीरता से जांच कर अवैध धन प्राप्त होने पर तत्काल निर्वाचन शाखा को सूचित करने के लिए निर्देशित किया गया, साथ ही एलडीएम को बैंक के माध्यम से होने वाले लेनदेन में निगरानी रखने के लिए कहा गया। बड़ी राशि के लेनदेन होने तथा किसी भी लेनदेन में शंका होने पर उसकी सूचना निर्वाचन की टीम को तत्काल देने के लिए निर्देशित किया गया।

ई.एस.एम.एस एप्प पर एफ.एस.टी. और एस.एस.टी दल को मिला प्रशिक्षण

-संवाददाता-
सूरजपुर,17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

जिला पंचायत सभा कक्ष में निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण की नोडल अधिकारी, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर की अध्यक्षता में स्थैतिक निगरानी दल (एसएसटी), फ्लाईंग स्क्वायड (एफएसटी) टीम के प्रभारी अधिकारियों को ईएसएमएस एप्प पर प्रक्रिया के अनुरूप कार्य करने हेतु ईडीएम श्री मोहितेष्वर साहू द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण के नोडल अधिकारी श्रीमती नयनतारा सिंह द्वारा एफएसटी, एसएसटी टीम के सदस्यों को कर्तव्यों का निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण के मार्गदर्शिका के संदर्भ में नियमों से अवगत कराया गया तथा प्रशिक्षण के दौरान टीम के अधिकारियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का समाधान भी किया गया।

मतदान दिवस पर रहेगा अवकाश

सूरजपुर 17 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)। सूरजपुर विधान सभा क्षेत्र क्रमशः 04-प्रेमनगर, 05-भटगांव व 06-प्रतापपुर में मतदान, द्वितीय चरण अर्थात् 17 नवंबर को सम्पन्न होगा। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135(ख) में उल्लेखित प्रावधानों एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ के पत्र में दिये गये निर्देश के अनुक्रम में जिला-सूरजपुर में विधान सभा निर्वाचन-2023 हेतु 17 नवंबर को मतदान के दिन सूरजपुर जिले के समस्त औद्योगिक उपक्रमों, निजी उपक्रमों एवं अन्य व्यवसाय या किसी अन्य स्थापन में नियोजित कार्यरत प्रत्येक कर्मचारियों व श्रमिकों को संवैतनिक अवकाश स्वीकृत किया जाता है।

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा.) उदयपुर, जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./.../अ-2/2021-22

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती रीना बंसल पति अशोक बंसल जाति अग्रवाल निवासी ग्राम बिशुनपुर द्वारा ग्राम खोंधला तहसील उदयपुर स्थित आवेदिका के स्वत्व व आधिपत्य की भूमि ख0नं0 1030/1, 1030/2, 1031/1, 1031/8, रकबा क्रमशः 0.101, 0.162, 0.040, 0.036 कुल खसरा नंबर 04 कुल रकबा 0.339 हे0 को औधोगिक प्रयोजन में व्यपवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो ईश्तहार प्रकाशन के पन्द्रह दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 06/10/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) उदयपुर सरगुजा

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा.) उदयपुर, जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./.../अ-2/2021-22

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अक्षत अग्रवाल आ0 मनोज कुमार अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर द्वारा ग्राम खोंधला तहसील उदयपुर स्थित आवेदक के स्वत्व व आधिपत्य की भूमि ख0नं0 592 रकबा 0.991 हे0 को औधोगिक प्रयोजन में व्यपवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो ईश्तहार प्रकाशन के पन्द्रह दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/10/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) उदयपुर सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202309020700019

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2022-2023
नमनाकला (प.ह.न. 00020)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-सीमा यादव, रीना यादव, दिलीप यादव,
अनावेदक पक्षकार- सीमा यादव, दिलीप यादव, अजीत यादव,

ईश्तहार

आवेदिका रीना यादव पत्नी स्व0 अजीत यादव, निवासी पटपरिया, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 157/30, 157/585 रकबा क्रमशः 0.044, 0.426 हे0 कुल खसरा नंबर 02 कुल रकबा 0.470 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृत भूमि स्वामी स्व0 अजीत यादव का नाम विलापित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जो ई-नामांतरण पोर्टल से ई-कोर्ट में प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 15/11/2023 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/10/2023 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार तहसील-अम्बिकापुर

CMYK

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 हमें पेरिस ओलंपिक क्वॉलीफायर की तैयारी में मदद करेगी

रांची,17 अक्टूबर 2023। 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक होने वाली झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 का बेसब्री से इंतजार होने के कारण महिला हॉकी के क्षेत्र में प्रत्याशा बढ़ रही है। महिला हॉकी टीम की गोलकीपर बिचू देवी खारीबाम, जो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी पहली उपस्थिति की तैयारी कर रही हैं, ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खेलने के लिए उत्साह व्यक्त किया और वह भी घरेलू धरती पर।

मैं रांची में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चुने जाने से रोमांचित हूं। यह मेरे लिए खुशी का क्षण है, और मैं इस अवसर के लिए आभारी हूं। आगामी टूर्नामेंट में अपने वरिष्ठों से मदद लेने के अलावा, मैं इसका उपयोग करने के लिए उत्सुक हूं। वह अनुभव जो मैंने हाल ही में हांग्जो में संपन्न एशियाई खेलों के दौरान हासिल किया, 2022 में भारतीय टीम में पदार्पण करने वाली बिचू देवी ने कहा।

इस बीच, बिचू देवी ने 2024 पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर की तैयारी में झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 के महत्व पर जोर दिया और कहा, टूर्नामेंट हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में काम करेगा क्योंकि हम 2024 पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर की तैयारी कर रहे हैं। अगले वर्ष जनवरी के लिए निर्धारित।

उन्होंने कहा, यह कहने की जरूरत नहीं है कि हमें पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के लिए अगले तीन महीनों तक वास्तव में कड़ी मेहनत करनी होगी, इसलिए रांची में आगामी टूर्नामेंट हमारी प्रगति का आकलन करने और मजबूत विरोधियों के खिलाफ हमारी ताकत का परीक्षण करने के लिए आवश्यक है। .महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के सातवें संस्करण की मेजबानी रांची में की जा रही है, जो अपने उत्साही हॉकी प्रशंसक आधार के लिए प्रसिद्ध शहर है। बिचू देवी स्थानीय समर्थन से उत्साहित हैं और उन्होंने कहा, रांची जोशीले हॉकी प्रशंसकों से भरी हुई है और हम उम्मीद कर रहे हैं कि वे बड़ी संख्या में स्टेडियम में हमारा उत्साह बढ़ाने आएंगे। हम प्रशंसकों से प्रेरणा लेंगे और अपना योगदान देने का लक्ष्य रखेंगे। सभी मैदान पर हैं। हालाँकि बढ़ी हुई उम्मीदें दबाव लाती हैं, हम एक दूसरे को प्रेरित करने के लिए एक टीम के रूप में एकजुट होंगे।

गौरतलब है कि भारतीय महिला टीम ने 2016 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था और 2018 में अगले संस्करण में वह उपविजेता रही थी। इसलिए, टीम का लक्ष्य अच्छा प्रदर्शन जारी रखना और पोडियम पर समाप्त करना होगा।

हालाँकि, झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 तीव्र होने वाली है, जिसमें मेजबान देश भारत के साथ-साथ चीन, जापान, मलेशिया, कोरिया और थाईलैंड सहित टीमों की एक मजबूत लाइनअप शामिल होगी।

तैयारियों और भारत की संभावनाओं के बारे में, 22 वर्षीय बिचू देवी ने अपना विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, ÷हमारे पास हर स्तर तक जाने और उस मायावी ट्रॉफी को सुरक्षित करने की क्षमता है। हमारा दृष्टिकोण एक समय में एक मैच लेने का होगा और हमारे पिछले अनुभवों से सीखें, जैसे कि हाल ही में संपन्न एशियाई खेलों में चीन से सेमीफाइनल में हमारी हार। हालांकि, उस झटके के बावजूद, हमने जापान के खिलाफ कांस्य पदक मैच में विजयी वापसी करके अपनी टीम की गुणवत्ता का प्रदर्शन किया और यह उसी तरह का है महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में हम प्रेरणा अपने साथ रखेंगे।

उन्होंने निष्कर्ष निकाला, साथ ही, आगामी टूर्नामेंट में मेरा ध्यान चीजों को सरल रखने और शॉर्ट पासिंग, विरोधियों के पलटवार को नकारने और हमारे कोच द्वारा हमें सिखाए गए सभी आवश्यक पहलुओं जैसे बुनियादी सिद्धांतों पर महारत हासिल करने पर होगा।

निश्चिंत रोहित भारत को दिला सकते हैं तीसरा विश्व कप: पोंटिंग

दुबई,17 अक्टूबर 2023। आस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग का मानना है कि 'निश्चिंत' कप्तान रोहित शर्मा भारत को उसकी धरती पर दूसरा विश्व कप दिला सकते हैं ।

लगातार तीन शानदार जीत के साथ भारत ने अपने विश्व कप अभियान का बेहतरीन आगाज किया है ।

पहले मैच में आस्ट्रेलिया को छह विकेट से हराने के बाद भारत ने अफगानिस्तान को आठ विकेट से और पाकिस्तान को सात विकेट से हराया ।

पोंटिंग ने कहा , वह बिल्कुल बेपरवाह है, चिंतारहित । वह विचलित नहीं होता । उसके खेल में भी यह दिखता है । वह शानदार बल्लेबाज है और मैदान के भीतर तथा बाहर भी निश्चिंत सा दिखता है ।

रोहित दिसंबर 2021 में विराट कोहली की जगह भारत के कप्तान बने थे ।

पोंटिंग का मानना है कि रोहित की कप्तानी में विराट अपनी बल्लेबाजी पर फोकस कर सकता है ।

उन्होंने कहा , विराट काफी जज्बाती खिलाड़ी है । वह प्रशंसकों की सुनता है और उन्हें जवाब भी देता है । उसके जैसे व्यक्ति के लिये यह काम थोड़ा कठिन होता ।पोंटिंग ने कहा, रोहित को कठिनाई नहीं होगी । वह शानदार खिलाड़ी है और कप्तानी भी बहुत अच्छे से कर रहा है ।

भारत ने पिछली बार 2011 में श्रीलंका को फाइनल में हराकर अपनी धरती पर ही विश्व कप जीता था ।

अपने देश में खेलने पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव होता है लेकिन पोंटिंग ने कहा कि रोहित इससे निपटने में सक्षम है ।उन्होंने कहा ,यह नहीं कह सकते कि भारत पर अपेक्षाओं का दबाव नहीं होगा । जरूर होगा लेकिन रोहित इससे निपट सकता है । भारत के पास बहुत प्रतिभाशाली टीम है । उनकी तेज गेंदबाजी, स्पिन, शीर्षक्रम, मध्यक्रम सब कुछ उम्दा है । उन्हें हराना बहुत कठिन होगा ।

पिंजरे में बाघ की तरह

» राफेल नडाल के खेल व्यक्तित्व पर रोजर फेडरर के विचार

शंघाई,17 अक्टूबर 2023। स्विस दिग्गज रोजर फेडरर ने प्रतिद्वंद्वी और 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल के टेनिस कोर्ट पर रवैये की तुलना 'पिंजरे में बंद बाघ' से की है। 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन फेडरर ने हाल ही में टेनिस पॉडकास्ट में अपने दोस्त और पेशेवर प्रतिद्वंद्वी नडाल के बारे में बात की। दोनों ने कोर्ट पर 40 उच्च तीव्रता वाले मुकाबलों में एक-दूसरे का सामना किया, फेडरर ज्यादातर शांत और संतुलित रहे जबकि नडाल पूरी तरह से आक्रामक थे।

15 वर्षों से अधिक समय तक, इन दोनों खिलाड़ियों ने प्रशंसकों को अविस्मरणीय टकरावों से प्रसन्न करते हुए टेनिस जगत में शीर्ष स्थान साझा किया, जो नडाल के पक्ष में 24-16 के रिकॉर्ड के साथ समाप्त हुआ।

मैं ऑन-साइट और ऑफ-साइट बहुत सहज हूं, जबकि उसमें अविश्वसनीय तीव्रता है। वह पिंजरे में एक बाघ की तरह था और वह चारों ओर घूम रहा है

और उसके लिए करने के लिए हमेशा कुछ न कुछ होता है। आप हमेशा बता सकते हैं कि उसके दिमाग में एक मैच था फेडरर ने एटीपी टेनिस पॉडकास्ट में एटीपी के हवाले से कहा।

मुझे नहीं पता कि क्या हम इतने विपरीत हैं कि आप जानते हैं। लेकिन हां, मुझे लगता है, कुछ हद तक, जब वह जाता है तो मैं अधिक शांत और अधिक सहज हो सकता हूं, खासकर टेनिस के दिनों में जब वह अधिक गहन तरीके से होता है ऑन-साइट,÷ 42 वर्षीय स्विस खिलाड़ी ने कहा।

20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने वर्ल्ड नंबर 2 कार्लोस अल्कराज के बारे में भी बात की और कहा कि स्पैनियार्ड को अपनी योग्यता साबित करने के लिए उस जीत की जरूरत नहीं है। फेडरर ने अल्कराज की सराहना की और कहा कि उनके सामने उज्ज्वल भविष्य है। ÷वह अभी भी युवा है और उसने जो कुछ भी हासिल किया है वह शानदार है।

सिर्फ क्ले पर ही नहीं, बल्कि विंबलडन में जोकोविच को कड़ी टक्कर देना कोई मज़ाक नहीं है। हमें वास्तव में उस बात को साबित करने की ज़रूरत नहीं थी, लेकिन यह उनके सीवी का एक और बड़ा प्लस है। वह समय-समय पर हारता रहेगा, लेकिन उसके सामने अविश्वसनीय खेल और अविश्वसनीय भविष्य है।

श्रीलंका ने दनुष्का गुण तिलक पर से हटाया प्रतिबंध

राष्ट्रीय टीम में हो सकती है वापसी

नई दिल्ली,17 अक्टूबर 2023। क्रिकेट श्रीलंका ने मंगलवार को धनुष्का गुणतिलका पर आस्ट्रेलिया में यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर लगाया गया प्रतिबंध हटा दिया है जिससे राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी का मार्ग प्रशस्त हुआ है। एक विज्ञप्ति में कहा गया , ''श्रीलंका क्रिकेट की स्वतंत्र जांच समिति ने उन पर नवंबर 2022 में लगाया गया प्रतिबंध पूरी तरह से हटाने की सिफारिश की है। न्यू साउथ वेल्स की जिला

अदालत ने उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया है और वह तीन अक्टूबर को श्रीलंका लौट आये हैं।'' इसमें कहा गया ,'' अब वह राष्ट्रीय टीम के लिये खेल सकते हैं।''नवंबर 2022 में गुणतिलका पर आस्ट्रेलिया में एक महिला ने कथित यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये थे। वह उस समय टी20 विश्व कप टीम के सदस्य के तौर पर आस्ट्रेलिया में थे। उन्हें चार दिन तक चले ट्रायल के बाद निर्दोष करार दिया गया और सारे आरोपों से बरी कर दिया गया।

इकॉनामी रेट को लेकर चिंतित नहीं हैं जाम्पा

अधिक विकेट लेना लक्ष्य

लखनऊ,17अक्टूबर 2023। पहले दो विश्व कप मैचों में खराब प्रदर्शन के लिये आलोचना झेलने वाले आस्ट्रेलिया के अनुभवी स्पिनर एडम जाम्पा ने कहा कि महंगे साबित होने से वह चिंतित नहीं हैं और उनका लक्ष्य अधिक विकेट लेना है ।

भारत और दक्षिण अफ्रीका से लगातार दो मैच हारने के बाद आस्ट्रेलिया ने सोमवार को श्रीलंका को हराकर पहली जीत दर्ज की ।

विश्व कप 2019 में काफी सफल रहे जाम्पा ने जीत के बाद कहा , मैं आत्ममंथन में माहिर हूं । पहले दो मैचों में अपना प्रदर्शन देखने के बाद

पिछले मैच को देखकर मैं यह कह सकता हूं कि मैने जीत की राह आसान की ।उन्होंने कहा , भारत के खिलाफ मैच में हमें 200 से कम का स्कोर बचाना था और मुझ पर विकेट लेने की जिम्मेदारी थी । मैने इकॉनॉमी रेट की परवाह नहीं की ।

उन्होंने भारत के खिलाफ 53 रन दिये और उन्हें विकेट नहीं मिला जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 70 रन देकर एक विकेट लिये ।

उन्होने कहा, मैं आंकड़ों की परवाह नहीं करता । मेरा लक्ष्य जीत में योगदान देना है ।

ओडिशा के खेलमंत्री ने एशियन गेम्स में रजत जीतने वाले जेना को सम्मानित किया

भुवनेश्वर,17 अक्टूबर 2023। ओडिशा के खेल और युवा कार्यमंत्री तुषारकांति बहेड़ा ने हांगझोउ एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाले भालाफेंक खिलाड़ी किशोर कुमार जेना को सम्मानित किया। जेना ने एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 87 . 54 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता और पेरिस ओलंपिक के लिये भी क्वालीफाई कर दिया।

ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीता था। बहेड़ा ने कलिंगा खेल परिसर में जेना को सम्मानित किया। इस मौके पर हॉकी प्रवर्तन परिषद के अध्यक्ष दिलीप टिर्की, खेल निदेशक सिद्धार्थ दास, ओडिशा ओलंपिक संघ और खेल विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। बहेड़ा ने कहा ,'' जेना के कड़े परिश्रम और लगन ने पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उसने पिछले कुछ साल में एक खिलाड़ी के तौर पर काफी प्रगति की है। मुझे यकीन है कि वह पेरिस ओलंपिक में ओडिशा और भारत का नाम रोशन करेगा।

केरल,चंडीगढ़ के स्कूल जूनियर लड़कों के क्वॉर्टर फाइनल के लिए क्वॉलीफाई

नई दिल्ली ,17 अक्टूबर 2023। एम.आई.सी इंग्लिश मीडियम एच.एस., अथानिकल, मलप्पुरम, केरल और सरकार। मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 37 बी, चंडीगढ़ ने राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न स्थानों पर खेले जा रहे 62वें सुब्रतो कप इंटर स्कूल इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट में क्रमशः ग्रुप बी और ग्रुप ए से क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। केरल ने पूर्व चैंपियन बांग्लादेश क्रिडा शिक्षा प्रतिष्ठान (बीकेएसपी) को 4-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि चंडीगढ़ ने रामकृष्ण मिशन स्कूल, आलो, वेस्ट सियांग, अरुणाचल प्रदेश को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की की।

जीडी गोयनका ग्राउंड में, +2 दुर्गा उच्च विद्यालय, शक्ति नगर, बांका, बिहार ने शहीद जवान मुथुकोया मेमोरियल एसएसएस, अमिनी, लक्षद्वीप को 2-0 से और द एमराल्ड हाइट्स स्कूल, इंदौर, मध्य प्रदेश ने लक्ष्मण ज्ञानपीठ डीएलएसएस, अहमदाबाद, गुजरात को हराया। ग्रुप ए और बी में ग्रुप चरण की कार्यवाही को समाप्त करने के लिए दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम पेनल्टी के माध्यम से 2-1। सुब्रतो पार्क फुटबॉल ग्राउंड में टी.जी इंग्लिश मीडियम स्कूल, बिष्णुपुर, मणिपुर ने कड़े मुकाबले में एनसीसी कोलकाता को 2-1 से हराकर ग्रुप सी में अपनी लगातार तीसरी जीत हासिल की। ग्रुप के दूसरे मैच में श्री सैनिक आवासीय महाविद्यालय, भक्तपुर, नेपाल ने इन्वेंचर एकेडमी, बेंगलुरु को 3-1 से हराया।

सुब्रतो पार्क फुटबॉल ग्राउंड में ग्रुप डी में, सेंट फ्रांसिस जेवियर हाई स्कूल, दुधानी, सिलवासा, डीडी और

डीएनएच ने नेवी चिल्ड्रेन स्कूल, मुंबई के खिलाफ 2-2 से ड्रा खेला। ग्रुप के अन्य मैच में, संजीवन विद्यानिकेतन और छत्रपति शिवाजी कनिष्ठ महाविद्यालय (सोमवारेथ) पन्हाडा, कोल्हापुर, महाराष्ट्र ने खजामन एच.एस.एस., त्रिची, तमिलनाडु को एक गोल से हरा दिया। अंबेडकर स्टेडियम में, सरकार। हौलावांग हाई स्कूल, हौलावांग, लुंगलेई, मिजोरम ने ग्रुप ई में अपनी लगातार तीसरी जीत के लिए एयर फोर्स बाल भारती स्कूल को 4-0 से हराया। ग्रुप के अन्य मैच में, कमला देवी पब्लिक स्कूल, भोपाल, मध्य प्रदेश ने आर्मी पब्लिक स्कूल, सांबा को हराया। , जम्मू एवं कश्मीर 25-0। विजेताओं के लिए सागर सिंह, केएच रोहित, मोहम्मद नालोज़ शेरिफ, केएच निलन ने पांच-पांच गोल किए।

अंबेडकर स्टेडियम में ग्रुप एफ में, मदर इंटरनेशनल स्कूल, जहीर, ब्राम्बे, रांची, झारखंड ने डीएवी इंटर कॉलेज, देहरादून, उत्तराखंड को 3-1 से हराया। ग्रुप के दूसरे मैच में सरकार. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नामची, दक्षिण सिक्किम, सिक्किम का मुकाबला डॉन बॉस्को वदुथला, कोच्चि, केरल से 1-1 से ड्रा रहा। तेजस फुटबॉल ग्राउंड में, त्रिपुरा स्पोर्ट्स स्कूल, बदरघाट, त्रिपुरा और बंपाथेर बेंगनाबारी एचएसएस ने ग्रुप जी में 2-2 से ड्रा खेला। ग्रुप के अन्य मैच में, कला, विज्ञान और वाणिज्य के वसंत राव डेम्पो एच.एस.एस., कुजीरा, गोवा टूर्नामेंट की अपनी पहली जीत के लिए पीएम श्री जीएसएसएस गंगवा, हिसार, हरियाणा पर 13-0 से शानदार जीत हासिल की।

तेजस फुटबॉल ग्राउंड में ग्रुप एच में, ग्रीनवुड स्कूल, खेलो इंडिया सेंटर, नागालैंड ने गुरु गोबिंद स्पोर्ट्स कॉलेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश को 4-3 से हराकर ग्रुप में अपनी तीसरी जीत दर्ज की। ग्रुप के अन्य मैच में, सुदर्शनपुर द्वारिका प्रसाद उच्च विद्याचक्र, रायगंज, पश्चिम बंगाल ने केंद्रीय विद्यालय, लोकरा, शोणितपुर, असम को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट की अपनी पहली जीत दर्ज की।

चौथे दिन तेजस फुटबॉल ग्राउंड, अंबेडकर स्टेडियम और सुब्रतो पार्क फुटबॉल ग्राउंड में 12 ग्रुप स्टेज मैच खेले जाएंगे।

बड़े मियां छोटे मियां को 25 साल पूरे

रवीना ने की फिल्म के सिक्वल पर बात

करण जौहर की कुछ कुछ होता है के साथ 1998 में आई फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को भी दर्शकों ने काफी पसंद किया था।इसमें गोविंदा, अमिताभ बच्चन और रवीना टंडन मुख्य भूमिकाओं में थे।16 अक्टूबर को इस फिल्म ने अपनी रिलीज के 25 साल पूरे कर लिए हैं।अब इस बीच रवीना ने खुलासा किया है कि उन्होंने इस फिल्म के लिए ऑडिशन नहीं दिया था। इसके अलावा उन्होंने फिल्म के सीक्वल पर भी बात की।रवीना ने कहा, मैंने फिल्म के लिए कोई ऑडिशन नहीं दिया था। उस वक्त हर कोई मुझे और मेरे काम को जानता था। मैं फिल्म के निर्देशक डेविड धवन सर के साथ काम करना चाहती थी और वो मेरे साथ।उन्होंने आगे कहा, फिल्म बड़े मियां छोटे मियां एक बेहतरीन फिल्म थी और मुझे इसका हिस्सा बनना था। मैं गोविंदा और अमिताभ के साथ पहले भी काम कर चुकी थी।बड़े मियां छोटे मियां के सीक्वल बनने पर रवीना ने कहा, मुझें नहीं पता, लेकिन मुझे लगता है कि सीक्वल के लिए अभी बहुत देर हो चुकी है। बाकी जैसे निर्माता चाहें।इसके साथ रवीना ने बताया कि फिल्म के 2 गानों किसी डिस्को में जाए और मखना को काफी प्यार मिला था। जब सिनेमाघरों में यह गाना बजता था तो लोग खूब नाचते थे और सिक्के भी फेंकते थे।बड़े मिया छोटे मियां डिज्नी+ हॉटस्टार पर मौजूद है।

दिव्या खोसला कुमार की यारियां 2 का ट्रेलर जारी

इन दिनों दिव्या खोसला कुमार अपनी आगामी फिल्म यारियां को लेकर चर्चा में हैं। इसमें मीजान जाफरी, यश दासगुप्ता, अनास्वरा राजन, वरीना हुसैन और प्रिया प्रकाश वरियर और पर्ल वी पुरी भी अभिनय करते नजर आएंगे।अब निर्माताओं ने प्रशंसकों के इंतजार को खत्म करते हुए यारियां 2 का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो इमोशन और ड्रामे के साथ-साथ थोड़ा बहुत एक्शन से भरपूर है।यह फिल्म 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। यारियां 2 के ट्रेलर ने फैंस की एक्साइटमेंट को भी काफी हद तक बढ़ा दिया है। यारियां 2 साल 2014 में आई फिल्म यारियां का सीक्वल है। इस फिल्म में हिमांश कोहली, रकुल प्रीत सिंह, एवलीन शर्मा और निकोल फारिया जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आए थे।इसका निर्देशन दिव्या खोसला कुमार ने किया था तो वहीं संजीव दत्ता फिल्म की कहानी लिखी थी।भूषण कुमार यारियां के निर्माता हैं।

पहले पार्ट की अपार सफलता के बाद यारियां का सीक्वल आ रहा है। 9 साल के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर से दर्शकों को नई तरीके की यारियां देखने को मिलेगी। गौर करें यारियां 2 की रिलीज डेट की तरफ तो ये मूवी 20 अक्टूबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मालूम हो कि 2014 में आई यारियां ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 40 करोड़ का कारोबार किया था, कम बजट में बनने की वजह दिव्या खोसला कुमार की इस फिल्म का पहला भाग हिट साबित हुआ था।

नियॉन कलर की ड्रेस पहन मौनी रॉय ने दिए सेक्सी पोज, बोल्ड तस्वीरों ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

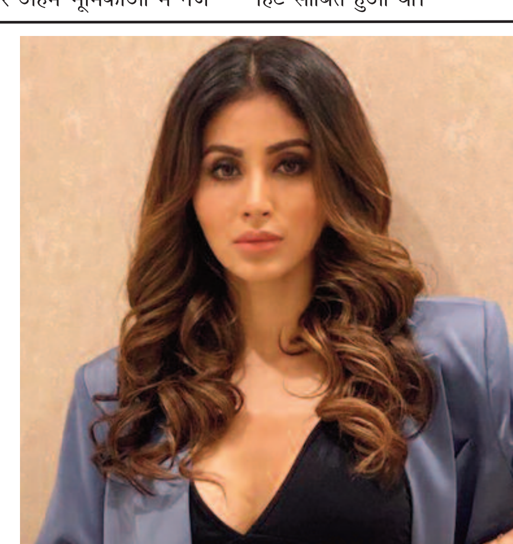

बी-टाउन की ग्लैमरस और खूबसूरत अभिनेत्री मौनी रॉय आए दिन अपनी कातिलाना अदाओं से फैंस का दिल मचलती रहती हैं। उनका हर कातिलाना अवतार सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इन तस्वीरों में उनका सिजलिंग अवतार देखकर फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। मौनी रॉय हमेशा अपनी फिटनेस और हॉटनेस के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक कातिलाना अदाओं पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टा पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वो बेहद हॉट लग रही हैं। मौनी रॉय जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर अपनी अदाओं से इंटरनेट का पारा बढ़ा देती हैं। इन तस्वीरों में मौनी रॉय ने नियॉन कलर की स्टाइलिश बॉडीफिटेड आउटफिट पहना हुआ है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही सिजलिंग और हॉट लुक्स में किलर पोज देते हुए कैमरे के सामने अपना फिगर फ्लॉन्ट करती हुई दिखाई दे रही हैं। हालांकि उनके कर्वी फिगर को देख फैंस की नजरें उन पर से हटना मुश्किल हो गई है। हर कोई उनके इस लुक का दीवाना हुआ जा रहा है। बता दें कि एक्ट्रेस मौनी रॉय का हर एक लुक फैंस के बीच चर्चाओं का विषय बना रहता है। साथ ही फैंस उनका ये ड्रेसिंग सेंस देखकर उनसे टिप्स भी मांगते नजर आ रहे हैं।

बस्तर विधानसभा सीट पर रोचक हुआ मुकाबला

कांग्रेस के लखेश्वर बघेल के हमनाम को हमर राज पार्टी ने बनाया प्रत्याशी तो भाजपा ने बघेल के साढ़ू को उतारा मैदान में

» हमर राज पार्टी ने लखेश्वर कश्यप को बनाया प्रत्याशी
» इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी हैं लखेश्वर बघेल
» वोट कटवा साबित न हों कश्यप,इसे लेकर कांग्रेसियों में बड़ी चिंता

जगदलपुर, 17 अक्टूबर 2023(ए)। अरविन्द नेताम के नेतृत्व वाले सर्व आदिवासी समाज ने हमर राज पार्टी का गठन किया है और इस पार्टी ने अपने 19 प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। इसमें सबसे चौंकाने वाला नाम बस्तर विधान सभा सीट से लखेश्वर कश्यप का है। दरअसल यहां से वर्तमान विधायक लखेश्वर बघेल इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी हैं और हमर राज पार्टी ने पासा फेंकते हुए यहां से लखेश्वर कश्यप को टिकट दे दिया है। अक्सर चुनाव में प्रत्याशियों का हमनाम होना प्रमुख दलों के प्रत्याशियों के लिए नुकसानदायक होता है। ऐसे में लखेश्वर

बघेल वोट कटवा साबित न हों, कांग्रेस पार्टी को यह चिंता सताने लगी है।

बीजेपी ने लखेश्वर के साढ़ू को दी टिकट

छत्तीसगढ़ में भाजपा ने जहां एक ओर पाटन में चाचा के खिलाफ भतीजे को मैदान में उतारा है। वहीं बस्तर सीट पर वर्तमान विधायक लखेश्वर बघेल के छोटे भाई के साढ़ू को भाजपा ने प्रत्याशी बनाया है। भाजपा-कांग्रेस की जंग में उम्मीदवार रिश्तेदारी कैसे निभाएंगे यह भी बड़ा सवाल है।
बता दें कि बस्तर सीट से भाजपा ने मनीराम कश्यप को उम्मीदवार बनाया है। मनीराम कश्यप कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतकर विधायक बने लखेश्वर बघेल के रिश्तेदार हैं। मनीराम, विधायक लखेश्वर बघेल के छोटे भाई के साढ़ू हैं। ऐसे में चुनाव काफी दिलचस्प हो गया है।
लखेश्वर बघेल बस्तर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष भी हैं। बस्तर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के दो बार के विधायक लखेश्वर बघेल को मनीराम कश्यप कितनी टक्कर दे पाएंगे यह तो आने वाला समय ही बताएगा, लेकिन भाजपा द्वारा प्रत्याशी की घोषणा के साथ ही चर्चाओं का दौर भी शुरू हो गया है।

डिवाइड एंड रूल यहां नहीं चलेगा

शाह को इसमें पीएचडी हासिल है

रायपुर, 17 अक्टूबर 2023(ए)। भ्रष्टाचारियों को उल्टा लटकाया जाएगा। ग़हमंत्री अमित शाह के बयान पर सीएम बघेल ने कहा- इसके अलावा कर भी क्या सकते हैं, वह तो कर भी रहे हैं, उन्हें इस मामले में पीएचडी हासिल है। लेकिन, छत्तीसगढ़ में उनकी डिवाइड एंड रूल की योजना नहीं चलेगी। यह छत्तीसगढ़ है यहां आदिवासी भाई रहते हैं जो आदि संस्कृति को मानते हैं,यहां कबीर के मानने वाले लोग हैं, गुरुघासीदास के मानने वाले लोग हैं, यहां भाईचारा और प्रेम की भाषा चलती है, डिवाइड एंड रूल की योजना यहां नहीं चलेगी।
अमित शाह चाह रहे हैं कि कैसे भी करके अडानी को मिल जाये,उनकी जितनी भी कमाया और कोशिशें हैं सब यही है,वह अपनी मंसूबे में कभी सफल नहीं हो पाएंगे। अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य बनाया और विकसित करने का काम डॉक्टर रमन सिंह ने किया।
अमित शाह के बयान पर सीएम बघेल ने कहा- 2018 आरबीआई की रिपोर्ट जब डबल इंजन की सरकार थी। उस समय 40त्न लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करते थे। आज नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक अब 40 लाख लोग गरीबी रेखा से बाहर आ गए हैं। यह दोनों उदाहरण इन्हीं की सरकार की रिपोर्ट है। अगर आप कुछ भी फेकेंगे तो बूमरैंग की तरह खुद को ही मिलेगा।

20 को अमित शाह छत्तीसगढ़ में

रायपुर, 17 अक्टूबर 2023(ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह फिर से छत्तीसगढ़ दौरे पर आएंगे. 20 अक्टूबर को बस्तर संभाग के दौरे शाह आएंगे. इस दौरान वे जगदलपुर और कोंडागांव में सभा करेंगे.

बस्तर संभाग में पहले चरण में चुनाव होना है. जिसे लेकर पार्टियों का प्रचार जोरों पर चल रहा है।
गौरतलब हो कि सोमवार को अमित शाह राजनांदगांव दौरे पर थे. जहां वे पूर्व मुख्यमंत्री डॉ .रमन सिंह समेत राजनांदगांव जिले की चार विधानसभाओं के प्रत्याशियों के नामांकन कार्यक्रम में शामिल हुए. इससे पहले उन्होंने विशाल जनसभा को संबोधित किया।
पहले चरण के लिए 20 सीटों में मतदान होना है. इन 20 सीटो में बस्तर की सीटें भी शामिल है. बीजेपी ने बस्तर की सभी सीटों के लिए प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है. हालांकि जगदलपुर से अभी किसी उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की गई है. शेष 19 सीटों पर नाम का ऐलान होने के बाद पार्टी ने अपने प्रत्याशियों का प्रचार शुरू कर दिया है.।

पोते से मिलने दादा को मिली हाईकोर्ट से अनुमति

बिलासपुर, 17 अक्टूबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के उक्त आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें अलग रहे माता-पिता के बच्चों से उनके दादा को मुलाकात करने की अनुमति देने से इंकार कर दिया गया था। इसके अलावा हाईकोर्ट ने यह आदेश भी खारिज कर दिया जिसमें पिता को बच्चे से केवल कोर्ट परिसर में मिलने की अनुमति दी गई थी।
राजनांदगांव जिले के एक दंपती के बीच अलगाव के बाद उनके बच्चों की अभिरक्षा को लेकर एक प्रकरण परिवार न्यायालय में चल रहा है। बच्चे इस समय मां के

पास हैं। बच्चों के पिता और उसके दादा ने उनसे मुलाकात के लिए उक्त न्यायालय में आवेदन लगाया था। न्यायालय ने पिता को कोर्ट परिसर में बच्चों से मुलाकात की अनुमति दी लेकिन दादा के आवेदन को रद्द कर दिया।इस आदेश के खिलाफ बच्चों के पिता और दादा ने हाईकोर्ट में अपील की। जस्टिस गौतम भादुड़ी और जस्टिस दीपक कुमार तिवारी की डिवीजन बेंच में इसकी सुनवाई हुई। बेंच ने पिता को केवल कोर्ट परिसर मुलाकात करने की शर्त को हटा दिया और कहा कि कोर्ट का माहौल बच्चों के लिए अनुकूल नहीं है। इसके अलावा दादा को भी मिलने की अनुमति देते हुए कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता बच्चों के दादा की उम्र 80 वर्ष है। बच्चों के लालन-पालन में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। बच्चों को उनके साथ संपर्क से वंचित नहीं किया जा सकता।

दर्जन भर कांग्रेस विधायकों की भी कट रही टिकट

» कांग्रेस की दूसरी लिस्ट पर बिग अपडेट

रायपुर, 17 अक्टूबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव-2023 के लिए कांग्रेस में टिकट को लेकर बड़ी खबर सामने आई है. पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के 15 और विधायकों की टिकट संकट में है।. पहली लिस्ट में 8 विधायकों की टिकट काटी गई थी. इस बार भी कांग्रेस कई विधायकों को बदल सकती है.कांग्रेस की पहली सूची में 8 विधायकों की टिकट कटी थी. नवागढ़ से गुरु दयाल सिंह के बदले मंत्री गुरु रुद्र कुमार को टिकट दी गई है।पंडरिया से ममता चंद्राकर के बदले निलकंठ चंद्रवंशी को मौका मिला है.। वहीं कवर्धा से मंत्री मोहम्मद अकबर रिपीट किए गए हैं. साथ ही खैरागढ़ यशोदा वर्मा, डोंगरगांव से दलेश्वर साहू, मोहला-मानपुर से इंद्र शाह मांडवी, भानुप्रतापपुर से सावित्री

मांडवी, केशकाल से संत राम नेताम, कोंडागांव से मोहन मरकाम, नारायणपुर से चंदन कश्यप, बस्तर से लखेश्वर बघेल, बीजापुर से विक्रम मांडवी और कोंटा से कवासी लखमा को रिपीट किया गया है.इनकी कट सकती है टिकट बिलाईगढ़ विधायक चंद्रदेव राय,कसडोल विधायक शंकुतला साहू, भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव,सरायपाली विधायक किस्मत लाल नंद, मनेन्द्रगढ़ विधायक विनय जयसवाल, जशपुर विधायक विनय भगत, प्रेमनगर विधायक खेल साय सिंह, प्रतापपुर विधायक डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, रामानुजगंज विधायक बृहस्पत सिंह, तखतपुर विधायक रश्मि सिंह, महासमुंद विधायक विनोद चंद्राकर, रायपुर ग्रामीण विधायक सत्यनारायण शर्मा, रायपुर उत्तर विधायक कुलदीप जुनेजा, धरसींवा विधायक अनिता शर्मा और सिहावा विधायक लक्ष्मी ध्रुव शामिल है।

वन अधिकारी संदेह के घेरे में

निर्वाचन कार्यालय में भाजपा ने की शिकायत

रायपुर, 17 अक्टूबर 2023(ए)। भाजपा ने शिकायत दर्ज कराई है कि ये अधिकारी कांग्रेस पार्टी के लिए चुनाव के दौरान काम कर रहे हैं, वहीं धन जुटाने से लेकर लोगों को भ्रमित करने में लगे हैं। इसलिए निर्वाचन कार्यालय ऐसे अधिकारियों पर तत्काल कार्रवाई करें और उनका तबादला किसी अन्य स्थान पर करें।आचार संहिता में वन विभाग के अधिकारियों की पदस्थापना और पदोन्नति के मामले में विवाद बढ़ते जा रहा है। भाजपा ने इसकी शिकायत निर्वाचन कार्यालय के माध्यम से चुनाव आयोग को की है।भाजपा के चुनाव समन्वय समिति के डा.विजय शंकर मिश्रा ने बताया कि वन विभाग में 2006 बैच के आइएफएस अधिकारी प्रभात मिश्रा, जो कि वर्तमान में जैव विविधता बोर्ड, छत्तीसगढ़ के सदस्य सचिव हैं, उनकी पदस्थापना हाल ही में वरिष्ठ पीसीसीएफ रैंक के अधिकारी पद पर की गई है। इसके अलावा वन विभाग में विभिन्न पदों पर पदस्थापना के साथ तबादले का दौर जारी है। इससे निर्वाचन प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। भाजपा ने मांग की है कि पूरी प्रक्रिया की पारदर्शी तरीके से जांच की जाए। साथ ही दोषियों पर ठोस कार्रवाई की जाए।

पेथौलॉजी लैब हुई सील

यहां हो रहा था मरीजों की जान से खिलवाड़

बिलासपुर, 17 अक्टूबर 2023(ए)। शहर के आरबी हॉस्पिटल में मरीजों की जान से खिलवाड़ का मामला सामने आया है। वहां 11 दिन से पैथोलॉजिस्ट ड्यूटी पर नहीं आ रही थी और उनका ब्लड टेस्ट रिपोर्ट डिजिटल हस्ताक्षर का इस्तेमाल कर जारी किया जा रहा था। स्वास्थ्य विभाग ने हॉस्पिटल का लैब सील कर अस्पताल प्रबंधन को नोटिस जारी किया है।
रिंग रोड स्थित आरबी हॉस्पिटल को लेकर सीएमएचओ को शिकायत मिली थी। उन्होंने नर्सिंग होम एक्ट के प्रभारी डॉ. अनिल श्रीवास्तव के साथ एक टीम को यहां जांच के लिए भेजा। टीम ने जांच के दौरान पाया कि यहां रोजाना मरीजों के खून, पेशाब आदि की जांच रिपोर्ट जारी की जा रही थी। रिपोर्ट में हॉस्पिटल की पैथोलॉजिस्ट डॉ. मीरा गोयल का डिजिटल हस्ताक्षर दर्शाया जा रहा था। हॉस्पिटल प्रबंधन ने पाया कि डॉ. गोयल कई दिनों से छुट्टी पर हैं। इधर हॉस्पिटल प्रबंधन दावा करता रहा कि वह रोजाना आकर रिपोर्ट में हस्ताक्षर कर रही थीं। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल का सीसीटीवी फुटेज खंगाला। इससे पता चला कि डॉ. गोयल 8 अक्टूबर के बाद हॉस्पिटल नहीं आई है। हॉस्पिटल के कर्मचारी अशोक पांडेय, सुनील देवांगन और आशीष निर्मलकर मिलकर रिपोर्ट बना रहे हैं और कम्प्यूटर से डॉक्टर का डिजिटल हस्ताक्षर रिपोर्ट में शामिल किया जा रहा है। इस फर्जीवाड़े के पकड़ में आने के बाद डॉक्टरों ने पेथौलॉजी लैब को सील कर दिया है और अस्पताल प्रबंधन से जवाब मांगा है। जांच में यह भी पता चला कि लैब में काम करने वाले तीनों कर्मचारियों का पैरामेडिकल कौंसिल में पंजीयन भी नहीं है। इस पर भी अस्पताल से जवाब-तलब किया गया है।

हॉस्पिटल के रक्षक बने भक्षक

दुर्ग, 17 अक्टूबर 2023(ए)। जिले से मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है. जिला अस्पताल में भर्ती मरीज को गार्डों ने बंधक बनाकर पीटा है. इस अमानवीय कृत्य का वीडियो भी समाने आया है. जिसमें देखा जा सकता है कि एक मरीज के दोनों हाथों को बांधकर फर्श पर लेटाकर पीटा गया और वह औंधे मुंह पड़ा रहा. वहीं अस्पातल में मौजूद परिजनों से भी गार्डों ने जमकर हाथापाई की. वहीं हॉस्पिटल स्टाफ ने भी बदसलूकी की है. यह मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है.
जानकारी के अनुसार, दुर्ग जिला अस्पताल में मानसिक रूप से पीड़ित मरीज को गार्डों ने बांधकर बनाकर पीटा. इस दौरान बचाव करने आई पीड़ित के बहनों और परिजनों के साथ भी हाथापाई हुई. ये पूरी घटना जिला अस्पताल के आपातकालीन कक्ष की है. इस घटना की शिकायत कोतवाली पुलिस तक पहुंच गई है.

दिल्ली और पंजाब की तरह होगा छत्तीसगढ़ का भी विकास

रायपुर, 17 अक्टूबर 2023(ए)। दिल्ली और पंजाब में विधानसभा चुनाव को भारी बहुमत से जीत कर शानदार सरकार बनाने में कामयाब रही आम आदमी पार्टी का अगला निशाना छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव पर है। आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में कई सीटों पर विधानसभा चुनाव के लिए चुनावी मैदान में उतरने के लिए तैयार आम आदमी पार्टी ने छत्तीसगढ़ की जनता को राहत देने के लिए कई तरह की गारंटी दी है।
पंजाब की टूरिज़्म मिनिस्टर अनमोल गगन मान इन दिनों छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। आज उन्होंने राजधानी रायपुर में 'आप' उम्मीदवार नंदन सिंह द्वारा आयोजित गारंटी सभा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सहभागिता

की। गारंटी सभा कार्यक्रम को स्थानीय लोगों का भरपूर सहयोग मिला। उत्साहित पार्टी समर्थक और स्थानीय जनता ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

बीजेपी-कांग्रेस पर आप का निशाना

रायपुर पश्चिम विधानसभा से आम आदमी पार्टी प्रत्याशी नंदन सिंह के नेतृत्व में रायपुर स्थित टाटीबंध पानी टंकी मैदान में शाम 4 बजे गारंटी सभा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पंजाब की मंत्री अनमोल गगन मान ने स्थानीय लोगों को संबोधित कर पार्टी के रीति-नीति से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने प्रदेश की बदहाली के लिए बीजेपी-कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए दोनों दलों की जमकर आलोचना की।

छग में भी जारी हुई आप की गारंटियां

अनमोल गगन मान ने कहा, पार्टी दिल्ली और पंजाब में अपनी सभी गारंटियों को पूरा कर रही है। पहले जो किसान दस-दस घंटे जनरेटर चलाकर सिंचाई करते थे, अब उन्हीं किसानों को सिंचाई के लिए पार्टी अतिरिक्त बिजली दे रही है। पंजाब के खस्ताहाल सरकारी अस्पतालों का आधुनिकीकरण कर 'आप' सरकार ने सरकारी अस्पतालों की स्वास्थ्य में अप्रत्याशित सुधार कर उनका अपोलो और फोर्टिश मल्टी स्पेशलिस्ट अस्पताल जैसा कायाकल्प कर दिया है।
अनमोल गगन मान ने कहा, पंजाब में आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार ने गांव-गांव में मोहल्ला क्लिनिक खोलकर पंजाबवासियों को त्वरित स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर रही है।

नैमेड-कुटरू मार्ग में नक्सलियों ने लगाया पर्चा

जनता से की चुनाव बहिष्कार की अपील

बीजापुर, 17 अक्टूबर 2023(ए)। कुटरू के मध्य नक्सलियों ने पर्चा लगाकर विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने की धमकी दी है। वहीं जनता से अपील करते हुए कहा कि वोट मांगने आने वालों को कटघरे में खड़ा करो।

पुलिस ने नक्सलियों द्वारा लगाए गए इन पर्चों को जब्त कर लिया है तथा मामले की पड़ताल में जुट गई है। नैमेड और कुटरू के मध्य पेड़ों में लगाए गए इन पर्चों में नक्सलियों ने लिखा है-झूठे छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करों! जनताना सरकारों को बचाओ व मजबूत करो! देश और जनता के लिए बेहद बड़ा खतरा बन गई ब्राह्मणीय हिन्दुत्व फासीवादी भारतीय जनता पार्टी को मार भगाओ! साम्राज्यवादी वैश्वीकरण नीतियों पर अमल कर रही जन विरोधी कांग्रेस का विरोध करो! वोट मांगने आने वाली अन्य चुनावी पार्टियों को कटघरे में खड़ा करो! (भाकपा माओादी)।
ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। बता दें की प्रदेश में दो चरणों में मतदान होने हैं, जिसमें पहले चरण का मतदान 7 नवबंर को और दूसरे चरण का मतदान 17 नवंबर को होने हैं। वहीं, 3 दिसंबर को परिणाम आने हैं। इसी बीच नख्सल प्रभावित इलाके बीजापुर में नक्सलियों के इन पर्चों से क्षेत्र में दहशत व्याप्त हो गया है। वहीं नक्सलियों के इस फरमान के बाद सुरक्षा बल और ज्यादा सतर्क हो गई है।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

» बीजापुर में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई
» मौके से एके-47 राइफल बरामद हुआ है

बीजापुर, 17 अक्टूबर 2023(ए)। राज्य में विधानसभा चुनाव है और पहले चरण में बस्तर में चुनाव होने है। इस बीच बड़ी खबर आ रही है। सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया गया और मौके से एके-47 राइफल भी बरामद की गई है।
मिली जानकारी के अनुसार सुरक्षाबलों ने आस-पास के क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। सर्च आपरेशन के दौरान ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी इस दौरान जवाब में सुरक्षाबलों ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। इस फायरिंग में एक नक्सली को मार गिरया और राइफल भी बरामद की।
राज्य में विधानसभा चुनाव है और पहले चरण में 20 सीटों पर मतदान होने है। इन 20 सीटों में सबसे ज्यादा सीटें नक्सल प्रभावित क्षेत्र में है। विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से निपटाने के लिए पुलिस और सुरक्षाबल के जवान अलर्ट मोड में है। वहीं देखा गया है कि जब भी चुनाव होते है उस समय नक्सली एक्टिव मोड में आ जाते है।

मतदान कर्मियों को हवाई मार्ग से पहुंचाने छत्तीसगढ़ को एयरफोर्स से मिले 10 चॉपर और दो एयर एम्बुलेंस

रायपुर, 17 अक्टूबर 2023(ए)। चुनाव आयोग छत्तीसगढ़ में मतदान निर्विघ्न संपन्न कराने के लिए पूरी तैयारी में जुटा हुआ है। निर्वाचन आयोग संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदान क्षेत्र में हवाई मार्ग से मतदान कर्मियों को भेजेगा। जिसके लिए निर्वाचन आयोग को 10 एयरफोर्स के हेलीकाप्टर और 2 एयर एम्बुलेंस मिले हैं। नक्सल समस्या के मद्देनजर यह विकल्प निकाला गया है।
संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने बताया कि 10 एयरफोर्स के हेलीकाप्टर

उड़ाने के लिए परमिशन मिला हैं और दो एयर एम्बुलेंस भी दिए गए है। हेलीकॉप्टर लगभग 70-75 फ्लाई लगाएगा। मतदान कर्मियों को कहीं दो दिन पहले तो कहीं तीन दिन पहले रवाना किया जाएगा। 160 मतदान दलों को हेलीकाप्टर से मतदान केंद्रों में भेजा जाएगा। पहले चरण में दो विधानसभा बढ़ने के बाद ही संवेदनशील अतिसंवेदनशील मतदान केंद्र कम हुआ। पहले 200 से ज्यादा संवेदनशील अतिसंवेदनशील मतदान केंद्र थे। 645 मतदान कर्मी और 145 सुरक्षाकर्मी हेलीकाप्टर से मतदान केंद्र पहुंचेंगे।

बोलेरो से 4 लाख कैश जब्त

रायगढ़, 17 अक्टूबर 2023(ए)। जूटमिल थाना क्षेत्र अंतर्गत जूटमिल पुलिस और उड़नदस्ता दल द्वारा तीन कार से 15 लाख 64 हजार 500 नगद रकम जप्त कर विधि अनुरूप कार्यवाही किया गया है । ज्ञात हो कि चुनाव आयोग के निर्देशानुसार ₹50,000 से अधिक कैश परिवहन के समय संबंधित व्यक्ति को पुलिस/उड़नदस्ता दल को उचित दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा।
जिले के सभी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत स्थानीय पुलिस व उड़नदस्ता दल लगातार जांच कार्यवाही कर रही है ।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)